डाक. पंजी. सं. DL(S)-01/3385/2011-13

उत्तर पूर्वी राज्यों में भूकंप के झटके

गुवाहाटी। भारत के पूर्वोत्तर इलाके म्यांमार व बांग्लादेश में सोमवार सुबह भूकम्प का झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकम्प की तीव्रता 5.9 मापी गई। सुबह 8.47 बजे असम, नागालैंड और मणिपुर के अलावा बांग्लादेश और म्यांमार में भूकम्प के झटके महसूस किए गए। भूकंप के बाद अभी तक कोई जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की वेबसाइट के मुताबिक भूकम्प का केंद्र मणिपुर की राजधानी इम्फाल से करीब 13 किलोमीटर की दूरी पर म्यांमार में था।

हिन्दी दैनिक समाचार

युवा शक्ति विचार

अमेठी परिक्षेत्र (रायबरेली, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, जौनपुर, इलाहाबाद, कौशाम्बी इत्यादि) के समाचारों का प्रमुख माध्यम

रेलपटरी पर बम लगाते उल्फा के दो उग्रवादियों की मौत

गुवाहाटी। असम में शिवसागर जिले के सोनारी इलाके के पास कल मध्यरात्रि के बाद प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट आफ असम (उल्फा) के दो उग्रवादियों की मौत उस वक्त हो गई जब वे रेल की पटरी पर बम लगाने की कोशिश कर रहे थे लेकिन बम पहले ही फट गया। पुलिस ने आज यहां बताया कि यह विस्फोट रात दो बजे हुआ और दोनों उग्रवादियों का शव रेल की पटरी पर पाया गया1 विस्फोट से पटरी का कुछ हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया।

आरएनआई पंजीयन संख्या-DELHIN/2003/10871 | नई दिल्ली, मंगलवार, 22 नवम्बर, 2011 | वर्ष : 09 | अंक : 196 | कुल पृष्ठः 6, मूल्य : ` 1-00

संक्षिप्त समाचार

तत्काल रेल टिकट के नियम बदले गए

नई दिल्ली। रेलवे ने तत्काल टिकटों की हेराफेरी रोकने के लिए नियमों में बदलाव कर दिया है। नए नियम सोमवार से लागू हो गए हैं। अब तत्काल टिकट के लिए पहचान पत्र दिखाना होगा और आवेदन पत्र के साथ फोटोकॉपी लगानी होगी। तत्काल का टिकट ट्रेन रवाना होने से 24 घंटे पहले जारी किया जा सकेगा तत्काल टिकटों के लिए नए नियम लागू होने से दलालों पर शिकंजा कसने में मदद मिलेगी। तत्काल टिकट अगर कन्फर्म है तो उसे कैंसिल कराने पर पैसे नहीं मिलेंगे। रेल मंत्री दिनेश त्रिवेदी ने पिछले दिनों इस बदलाव की घोषणा करते हुए कहा कि तत्काल टिकटों की कालाबाजारी रोकने के लिए यह कदम उठाया गया है। तत्काल टिकट काउंटरों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे ताकि टिकटों की कालाबाजारी रोकी जा सके।

संसद में चिदंबरम का बहिष्कार किया जाएगा

नई दिल्ली। राजग ने कहा है कि संसद में चिदंबरम का बहिष्कार किया जाएगा। मंहगाई पर वाम दलों के कार्यस्थगन प्रस्ताव नोटिस का राजग समर्थन करेगा वही काले धन पर लालकृष्ण आडवाणी के कार्यस्थगन प्रस्ताव के नोटिस का वाम दल समर्थन करेंगे।

चीन के साथ नत्थी वीजा का मामला नहीं सुलझा

नई दिल्ली। बाली में भारत-आसियान और पूर्व एशिया शिखर सम्मलेनों से इतर प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और चीन के प्रधानमंत्री वेन जिआबाओ के बीच हुई बैठक के दौरान नत्थी वीजा का मामला नहीं सुलझ सका लेकिन इससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि जम्मू एवं कश्मीर पर चीन का रुख क्या है। दोनों नेताओं के बीच हुई मुलाकात के दो दिन बाद सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने कहा कि हम इस बात का दावा नहीं करना चाहते हैं कि इस मुद्दे का हल निकाल लिया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य के बारे में चीन का रुख क्या है यह ज्यादा महत्वपूर्ण है। उल्लेखनीय है कि अपनी बैठक के दौरान मनमोहन सिंह और वेन ने कहा कि दोनों के विकास करने के लिए पर्याप्त जगह है।

इंडिया अगेंस्ट करप्शन का फेसबुक पेज हुआ ब्लॉक

नई दिल्ली। अन्ना आंदोलन में सोशल नेटवर्किंग साइट के जरिए बड़ी भूमिका निभाने वाले इंडिया अगेंस्ट करप्शन के फेसबुक अकाउंट बंद हो गया है। इंडिया अगेंस्ट करप्शन से जुड़े लोगों की मानें तो ये अकाउंट कल रात से अचानक बंद हो गया और फेसबुक से कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। यहां तक कि इस पेज के एडमिन राइट रखने वाले कार्यकर्ता भी अपने अकाउंट के सीमित पेज ही खोल पा रहे हैं। टीम अन्ना की अहम सदस्य किरण बेदी ने भी आईएसी के फेसबुक पेज के ब्लॉक होने पर हैरानी जताई। ट्विटर पर किरण ने ट्वीट किया कि आईएसी का फेसबुक पेज नहीं खुल रहा है।

मंगलवार से शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र से लाल कृष्ण आडवाणी के घर पर एनडीए नेताओं की बैठक हुई।

यूपी को चार हिस्सों में बांटने का प्रस्ताव पारित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा में मायावती सरकार ने भारी हंगामे के बीच राज्य के बंटवारे का प्रस्ताव पारित कर दिया गया है। यूपी को 4 हिस्सों में बांटने का प्रस्ताव पास हुआ और विधानसभा की कार्यवाही को अनिश्चितकालीन काल के लिए स्थगित कर दिया गया है। बिना बहस ध्वनि मत के राज्यों के बंटवारे के प्रस्ताव को पारित कर दिया गया।

इससे पहले के घटनाक्रम में सोमवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र की शुरुआत सोमवार को हंगामे और शोरशराबे के साथ हुई और सदन की बैठक शुरु होने के चंद मिनट बाद ही कार्यवाही दोपहर 12 बजकर 2 मिनट तक के लिये स्थगित कर दी गयी। इस तरह प्रश्नकाल नहीं हो सका।

सदन की कार्यवाही शुरु होते ही सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की घोषणा कर चुके भाजपा और सपा के सदस्य अपने-अपने स्थान पर खड़े हो गये। भाजपा के सदस्य सदन के बीचोंबीच आ गये जबकि सपा के सदस्य सरकार विरोधी नारे लिखी तख्तियां लिये अपने-अपने स्थानों पर खड़े होकर नारेबाजी करने लगे।

संसदीय कार्यमंत्री लालजी वर्मा ने कहा कि सरकार पूरी तरह बहुमत में हैं और यह जानते हुए भी विपक्षी दल खिसियाहट में ऐसा कर रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष सुखदेव राजभर ने नारेबाजी कर रहे सदस्यों से शांत रहने का आग्रह किया लेकिन उनके नहीं मानने पर सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजकर 2 मिनट तक के लिये स्थगित कर दी। इस तरह पूरा प्रश्नकाल हंगामे की भेंट चढ़ गया।

यूरेनियम मुद्दे पर आस्ट्रेलियाई संसद में हंगामा

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के विपक्षी दलों ने भारत को यूरेनियम निर्यात करने पर लगे प्रतिबंध को हटाने की सरकार की योजना के खिलाफ सोमवार को संसद में जमकर हंगामा किया। विपक्ष ने संसद में प्रश्नकाल के दौरान यूरेनियम का मुद्दा उठाया। उनकी मांग थी कि इस मामले पर प्रधानमंत्री जूलिया गिलार्ड और विदेश मंत्री केविन रड दोनों जवाब दें। इस पर प्रधानमंत्री गिलार्ड ने कहा कि उनके मुताबिक, उनकी पार्टी के एक नेता ने आह्वान किया है कि पार्टी की बैठक में यूरेनियम का मुद्दा उठाया जाएगा। इससे पहले जूलिया गिलार्ड ने ऐलान किया था कि ऑस्ट्रेलियन लेबर पार्टी दिसंबर में होने वाले राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत को यूरेनियम बेचने पर लगी पाबंदी में बदलाव को लेकर बहस की योजना है। रड के एक बयान के बाद विपक्षी दलों ने प्रधानमंत्री की आलोचना की। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत को यूरेनियम बेचने पर लगी पाबंदी हटाने के फैसले के बारे में उनसे विचार-विमर्श नहीं किया गया। रड ने कहा कि हमारी पार्टी में नियम है कि कोई भी सदस्य किसी मुद्दे पर पार्टी के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रस्ताव पेश कर सकता है। उन्होंने कहा कि यह फैसला प्रधानमंत्री की ओर से किया गया। मैं उनके अधिकार का समर्थन करता हूं। दूसरी ओर, रक्षा मंत्री स्टीफेन स्मिथ ने नीति में बदलाव के फैसले का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि अगर भारत परमाणु सुरक्षा को लेकर आस्ट्रेलिया के साथ एक अलग मानक द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर करता है तो मुझे कोई वजह नजर नहीं आती कि भारत को यूरेनियम नहीं बेचा जा सकता। स्मिथ ने कहा कि अगर हम चीन और रूस को यूरेनियम बेच सकते हैं तो दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को भी यूरेनियम का निर्यात कर सकते हैं। भारत के संदर्भ में परमाणु सामाग्री के प्रसार से जुड़ा कोई साक्ष्य नहीं है। उधर, लेबर सीनेटर डॉज कैमरन ने कहा कि अगर नीति में बदलाव हुआ तो यह पार्टी बक जाएगी।

'भंवरी के भंवर' में उलझी सरकार को 'गुर्जरों का अल्टीमेटम'

दौसा। गुर्जरों की सात घंटे चली महापंचायत में राजस्थान की गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति ने गुर्जरों को पिछड़ा वर्ग में शामिल किए जाने की मांग पर सरकार को दो दिन का अल्टीमेटम दिया है। यदि इन दो दिनों में राजस्थान सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया तो ये गुर्जर जयपुर कूच कर जाएंगे और सरकार से कोई बात भी नहीं करेंगे। राजस्थान के गुर्जरों ने यह अल्टीमेटम उस वक्त दिया है जब गेहलोत सरकार भंवरी प्रकरण में बुरी तरह घिरी हुई है। संघर्ष समिति के संयोजक कर्नल किरोड़ी सिंह ने महापंचायत को संबोधित करते हुए कड़े शब्दों में हुंकार भरी कि अगर गुर्जरों ने जयपुर कूच कर दिया तो उनके हाथ में कुछ नहीं होगा, और राजस्थान सरकार को वार्ता करने के लिए भाण्डारेज महापड़ाव पर ही आना होगा। यह चेतावनी गेहलोत सरकार पर भारी पड़ सकती है, क्योंकि सरकार पहले ही भंवरी के जंजाल में बुरी तरह उलझी हुई है। यदि दो दिन के अल्टीमेटम में कोई सुलह-समझौतों के प्रयास नहीं हुए तो गुर्जरों का यह आंदोलन जयपुर कूच के साथ उग्र रूप ले सकता है। खासतौर पर आगरा-जयपुर हाईवे और कोटा भरतपुर होते हुए मुंबई जाने वाली रेलवे लाईन पर ये गुर्जर एक बड़ा रोड़ा बन सकते हैं।

कर्नल किरोड़ी सिंह ने महापंचायत में कड़े स्वर में कहा कि सरकार हमारे लिए दो दिन में पांच प्रतिशत आरक्षण का फैसला ले, अन्यथा गुर्जर समाज जयपुर के स्टेच्यू सर्किल के लिए कूच कर जाएगा। दरअसल, गुर्जरों को फिलहाल राजस्थान प्रदेश में आदिवासियों के रूप में आरक्षण मिला हुआ है। जबकि गुर्जर खुद को पिछड़ा वर्ग में पांच प्रतिशत आरक्षण की मांग पर अड़े हैं। इस मांग के मान लिए जाने पर राजस्थान में गुर्जरों को शिक्षा, नौकरी और प्रमोशन में नयी आरक्षण प्रणाली का सीधा-सीधा लाभ मिल सकेगा। यदि गुर्जरों की आरक्षण संबंधी मांग को माना जाता है तो राजस्थान में और भी कई समुदाय उग्र आंदोलन छेड़ सकते हैं। इनमें मीणा समुदाय प्रमुख है। यहा गुर्जरों और मीणाओं में पहले ही पारम्परिक शत्रुता है। ऐसे में मीणाओं ने भी चेतावनी दी हुई है कि यदि सरकार ने गुर्जरों की मांग मानी तो मीणाओं को भी पिछड़े वर्ग में शामिल करके नई व्यवस्था का लाभ देना होगा। दूसरी तरफ गुर्जरों को यदि पांच फीसद आरक्षण लाभ दिया जाता है तो वहां कोटा व्यवस्था का पुनर्निर्धारण राजस्थान सरकार को करना पड़ेगा, जो एक बड़ा मुश्किल काम है। और इसी काम के लिए सरकार बार-बार गुर्जरों से मोहलत मांगती रही है।

चीन ने भारत को फिर चेतावनी दी

बीजिंग। दक्षिण चीन सागर को लेकर चीन ने फिर परोक्ष रूप से भारत को चेतावनी दी है। चीन ने कहा है कि वह नहीं चाहता कि दक्षिण चीन सागर में विदेशी कंपनियां किसी प्रकार की गतिविधियों में शामिल हों। ऐसे कृत्य उसकी संप्रभुता को कमजोर करते हैं।

पिछले हफ्ते बाली में भारत और चीन के प्रधानमंत्रियों की मुलाकात के दौरान भी दक्षिण चीन सागर का मुद्दा उठा था। सोमवार को चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लियू वीमिन ने कहा, श्चीन पहले भी स्पष्ट कर चुका है कि विवादित क्षेत्र में बाहरी सेना नहीं रह सकती। वियतनाम के साथ करार के तहत भारत की तेल कंपनी ओएनजीसी विदेश दक्षिण चीन सागर में तेल और गैस की खोज कर रही है। चीन इसका विरोध कर रहा है। दक्षिण चीन सागर पर चीन अपना अधिकार जताता है। भारत भी स्पष्ट कर चुका है कि दक्षिण चीन सागर में तेल और गैस की खोज व्यावसायिक गतिविधि है और वह इसे जारी रखेगा। भारत का कहना है कि दक्षिण चीन सागर को लेकर जारी विवाद को अंतरराष्ट्रीय कानून और प्रक्रिया के तहत सुलझाया जाना चाहिए।

लोकपाल को बनाया शक्तिहीन : टीम अन्ना

नई दिल्ली। टीम अन्ना ने सरकार पर प्रस्तावित लोकपाल के कद को घटाकर शक्तिहीन और टिन का खाली कनस्तर बना देने का आरोप लगाते हुए सोमवार को कहा कि लोकपाल के दायरे से नागरिक संहिता एवं निचली नौकरशाही को बाहर करने से वे आश्चर्यचकित हैं। टीम अन्ना ने आरोप लगाया कि संसद के प्रस्ताव के उलट यह कदम उठाया गया है। टीम अन्ना के एक बयान में कहा गया है कि सरकार ने सीबीआई, न्यायपालिका, नागरिक संहिता, व्हिसल ब्लोवर की सुरक्षा, ग्रुप सी और ग्रुप डी कर्मचारियों को लोकपाल के दायरे से हटाने का प्रस्ताव किया है। क्या इससे लोकपाल टिन का ऐसा खाली कनस्तर नहीं बन जाएगा, जिसके पास न तो कोई शक्ति होगी और न ही अधिकार होगा? बयान में कहा गया है कि संसद द्वारा एक प्रस्ताव पारित किए जाने के आधार पर हजारे ने अपना अनशन तोड़ दिया था। इस प्रस्ताव को कुछ लोगों ने सदन की भावना बताया था। लेकिन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने हजारे को लिखे अपने पत्र में इसका जिक्र एक प्रस्ताव के रूप में किया था। टीम अन्ना ने कहा कि यह प्रस्ताव स्पष्ट तौर पर कहता है कि लोकपाल विधेयक के जरिए तीन मुद्दों का समाधान किया जाएगा। इन तीन मुद्दों में राज्यों में लोकायुक्त का पद इसी विधेयक से सृजित किया जाए और निचली नौकरशाही एवं नागरिक संहिता को लोकपाल विधेयक में शामिल किया जाना शामिल है। टीम अन्ना के बयान में कहा गया है कि हालांकि, पूर्व के प्रस्ताव के विपरीत उठाए जा रहे इन कदमों से वे आश्चर्यचकित हैं, जिसके

(शेष पृष्ट 4 पर)

चीन पर नजर रखेंगे भारत के 114 हेलीकॉप्टर

नई दिल्ली। भारत-चीन सीमा पर पड़ोसी मुल्क की फौज की गतिविधियां बढ़ने से भारत चिंतित है। भारतीय सेना नहीं चाहती कि फिर से 1962 जैसी जंग का सामना करने पड़ने और पड़ोसी के हाथों मात मिले। इसलिए भारतीय सेना ने अपनी हवाई निगरानी क्षमता को और मजबूत करने में जुटी है। भारतीय सेना के बेड़े में 114 हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर (एलसीएच) शामिल किए जा रहे हैं। पिछले कुछ महीनों के दौरान चीन ने भारत से लगती

(शेष पृष्ट 4 पर)

एनडीए सांसद अब लिखकर देंगे, विदेशी बैंक में खाता नहीं

नई दिल्ली। काले धन के मसले पर कांग्रेस की परेशानी में इजाफा करने के लिए एनडीए के कार्यकारी अध्यक्ष, भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी ने नया पासा फेंका है। 38 दिन से 7,6 किलोमीटर की जनचेतना यात्रा का रविवार को रामलीला मैदान में समापन करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता ने एलान किया है कि एनडीए के सभी 215 सांसद जल्द ही एक घोषणा-पत्र देगा, जिसमें वह साफ करेगा कि उसका किसी विदेशी बैंक में कोई प्रत्यक्ष या परोक्ष गैरकानूनी खाता नहीं है। वह यह भी सार्वजनिक करेगा कि उसकी विदेश में कोई गैरकानूनी चल या अचल संपत्ति नहीं है। ये घोषणा-पत्र 22 नवंबर, मंगलवार से शुरू होने वाले संसद के शीतकालीन सत्र के एक हफ्ते के अंदर दोनों सदनों के सभापति को सौंपे जाएंगे। ऐसा करके विपक्ष सत्ताधारी कांग्रेस पर दबाव बढ़ाना चाहता है। आडवाणी ने केंद्र से मांग की कि वह स्विस बैंक में खाता रखने वाले 7 लोगों की सूची फौरन सार्वजनिक करे।

22 राज्यों और पांच केंद्र शासित प्रदेशों की यात्रा पूरी करने के बाद दिल्ली में अरसे बाद विशाल जनसमूह से उत्साहित आडवाणी ने भ्रष्टाचार से उपजे हालात के लिए सीधे प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि पीएम की साख मिट्टी में मिल गई है। लोकपाल विधेयक पर उन्होंने टिप्पणी की कि बेशक भाजपा मजबूत लोकपाल के हक में है लेकिन भ्रष्टाचार की वजह कानून की कमी नहीं बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी है। आडवाणी सहित रैली में मौजूद भाजपा व सहयोगी दलों

(शेष पृष्ट 4 पर)

मीरा कुमार पर 1.98 करोड़ रुपये किराया बकाया

नई दिल्ली। शहरी विकास मंत्रालय के परिसंपत्ति विभाग ने कृष्ण मेनन मार्ग पर छह नंबर के बंगले को 1986 से कब्जाए रखने के मामले में लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार को 1.98 करोड़ रुपये का बकाया किराये का बिल भेजा है। उन्होंने 1986 में अपने पिता जगजीवन राम के निधन के बाद भी इस बंगले को खाली नहीं किया है।

एक आरटीआई के जवाब में बताया गया है कि परिसंपत्ति विभाग को दस लोगों की एक सूची सौंपी गई है जिनमें इंद्राणी देवी के पारिवारिक सदस्य और मीरा कुमार शामिल हैं। इस सूची में उन बंगलों की बकाया किराया राशि भी शामिल है जिन्हें इन लोगों ने खाली नहीं किया है। सूची से पता चलता है कि मीरा कुमार पर 198, 22, 723 करोड़ रुपये किराया राशि बकाया है और इसके लिए एक बिल भी भेजा गया है। विभाग ने आरटीआई कार्यकर्ता सुभाष चंद्र अग्रवाल द्वारा मांगी गई जानकारी के जवाब में इसका खुलासा किया है। आरटीआई में पूछा गया था कि पद छोड़ने के बाद भी सरकारी परिसरों पर कब्जा जमाए रखने वले लोगों के खिलाफ कितनी किराया राशि लंबित है। संपर्क करने पर लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय ने कहा कि इंद्राणी देवी के परिवार के सदस्यों ने 3 नवंबर 22 को नई दिल्ली के छह कृष्ण मेनन मार्ग बंगले को खाली कर दिया था और इसकी सूचना केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली नगर पालिका परिषद, परिसंपत्ति निदेशक तथा अन्य संबंधित प्रशासन को दे दी गई थी। लोकसभा अध्यक्ष कार्यालय ने बताया कि एनडीएमसी ने तत्काल बिजली और पानी की आपूर्ति बंद कर दी थी तथा उसके बाद से इंद्राणी देवी के परिवार का कोई भी सदस्य उस परिसर में नहीं रहता है। सूची में जिन दो अन्य लोगों का उल्लेख किया गया है उनमें वरिष्ठ कांग्रेसी नेता बूटा सिंह तथा भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण के अध्यक्ष जे एस शर्मा का नाम है और उनके खिलाफ शून्य राशि बकाया है।

16 सितंबर 211 के रिकार्ड पर आधारित जवाब कहता है कि अन्य लोग, जिन पर किराया बकाया है उनमें प्रतिभा पांडे पर 43.63 लाख, मूल्य स्थिरीकरण कोष न्यास के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रवीर कुमार पर 2.61 लाख, पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त ए एन तिवारी पर 4.71 लाख, पूर्व सांसद मृत्युंजय नायक पर 3.21 लाख, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व सदस्य अब्दुल अली अजीजी पर 1.97 लाख तथा अमिताभ भट्टाचार्य पर 2.4 लाख रुपये बांकी हैं। संपर्क करने पर प्रवीर कुमार ने बताया कि वह अगस्त 21 से 211 के बीच गुजरात में नियुक्त थे और अपने नाम बकाया 1.48 लाख रुपये की राशि का वह भुगतान कर चुके हैं। कलाकार कोटे से सरकारी आवास हासिल करने वाली पांडे ने कहा कि उनके पति एक सेवानिवृत नौकरशाह हैं और वह दिसंबर 211 से परिसर को खाली कर रही हैं।

उन्होंने विस्तृत ब्यौरा दिए बिना कहा कि मेरे पति इस वर्ष जून में सेवानिवृत हुए हैं। किराए के बिलों को लेकर कुछ गलतफहमी है। किसी भी सूरत में मैं दिसंबर में इस परिसर को खाली कर रही हूं। तिवारी ने बताया कि उन्होंने दिसंबर 21 में पद छोड़ने के बाद अपने सरकारी आवास में और आठ माह रहने के लिए विभाग से अपील की थी और यह सुविधा सेवानिवृत सचिवों को उपलब्ध होती है लेकिन मेरे आवेदन को ठुकरा दिया गया।

नई दिल्ली में आज केंद्रीय वित्त मंत्री प्रणव मुखर्जी भूटान के वित्त मंत्री वांग्दी नोरबू से हाथ मिलाते हुए।

सम्पादकीय.......

बाढ़ और तूफान

पड़ोसी देश थाईलैंड की राजधानी बैंकाक पिछले हफ्ते तकरीबन डूबते-डूबते बची। जिस बारिश ने उसका यह हाल किया है, वह अगस्त से, यानी पिछले तीन महीनों से लगातार जारी थी। कमोबेश यही किस्सा पिछले साल पाकिस्तान में देखने को मिला था, जहां सिंधु नदी की ऐतिहासिक बाढ़ ने देश के लगभग एक चौथाई हिस्से को तहस-नहस करके रख दिया था। इस साल अक्टूबर के शुरू में ही अमेरिका के उत्तरी-पूर्वी हिस्से को इतने भयंकर बर्फीले तूफान का सामना करना पड़ा, जिसकी सर्दियों की शुरुआत में कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। उधर दुनिया के सबसे ठंडे महानगर मॉस्को ने पिछले साल इतनी भयंकर गर्मी झेली कि वोदका से दिमाग और झील के पानी से शरीर की गर्मी शांत करने की कोशिश में कई लोगों की लाशें ही बाहर आईं। विश्व के सबसे सघन गेहूं उत्पादक क्षेत्र के रूप में विख्यात ऑस्ट्रेलिया के मरे-डार्लिंग बेसिन ने कई साल के जानलेवा सूखे के बाद उतनी ही विनाशकारी बाढ़ का सामना किया। तूफान और चक्रवात दुनिया के कई देशों में तबाही का सबब बनते आए हैं, लेकिन न्यू ऑर्लियंस जैसा एक हंसता-खेलता अमेरिकी शहर जड़ से साफ हो जाए, ऐसा कैटरीना हरीकेन इसी दौर में देखा गया। जलवायु विज्ञानी एक अर्से से कहते आ रहे हैं कि इंसान के हाथों रची जा रही ग्लोबल वार्मिंग धरती के लिए तबाही का सबब बन सकती है, लेकिन जिन पेट्रो और ऑटो कंपनियों का धंधा ही धुएं पर टिका है, वे उन्हें झूठा साबित करने, उनकी खिल्ली उड़ाने का कोई मौका नहीं छोड़तीं। दुनिया भर के राजनेता उनके सुझावों पर अमल करके उद्योगपतियों की नफरत मोल नहीं लेना चाहते, लिहाजा अपने सरकारी विशेषज्ञों के जरिए वे समानांतर प्रस्थापनाएं चलवाते हैं। मसलन यह कि अव्वल तो ग्लोबल वार्मिंग की रफ्तार इतनी ज्यादा नहीं है कि उससे चिंतित हुआ जाए, और थोड़ी-बहुत वार्मिंग हो भी रही है तो इसके लिए सौर चक्र जैसे प्राकृतिक कारक कार्बन उत्सर्जन जैसे मानवीय कारकों से ज्यादा जिम्मेदार हैं। इंटरगवर्नमेंट पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) ने इन प्रस्थापनाओं की वैज्ञानिक काट पेश करते हुए दुनिया को चेतावनी दी थी कि समय रहते वातावरण में कार्बन डाई ऑक्साइड की मात्रा नियंत्रित न की गई तो अगले कुछ सालों में मामला हाथ से निकल जाएगा। लेकिन पिछले दो-तीन सालों में जवाबी हमलों की शिकार होकर आईपीसीसी अपनी साख ही खो बैठा था। अब इतने समय बाद युगांडा में हुई अपनी बैठक के बाद आईपीसीसी ने मौसम से जुड़ी अतिरेकपूर्ण घटनाओं का सीधा कारण ग्लोबल वार्मिंग को बताया है और सरकारों से कहा है कि वे अपने आय-व्यय के हिसाब में ऐसी घटनाओं से संभावित नुकसान के लिए भी गुंजाइश बनाकर चलें। कई देशों में बीमा कंपनियों ने अपने रिस्क कैलकुलेशन में ऐसी घटनाओं को भी शामिल करके उसी के हिसाब से प्रीमियम तय करना शुरू कर दिया है। ऐसे में सरकारें अपने उत्सर्जन में कटौती करें या न करें, लेकिन जलवायु परिवर्तन को अपने राडार पर थोड़ी जगह उन्हें जरूर देनी चाहिए।

स्कूलों में मोबाइल का पालन!

सूचना-क्रांति से सभी का लाभान्वित होना स्वाभाविक है पर स्थान के नियमों व कायदे-कानून का पालन करना भी संबंधित पक्षों का दायित्व है और उनका पालन अनिवार्य रूप से किया जाना चाहिए। चंबा जिला के अति दुर्गम कहे जाने वाले क्षेत्र तीसा में बेशक सड़क, स्वास्थ्य जैसी आधारभूत सुविधाएं माकूल न हो, वहां के स्कूल में शिक्षा ग्रहण कर रहे बच्चों से 5 मोबाइल फोन मिलना यह साबित करता है कि वहां पर दूरसंचार की सुविधाएं आसानी से पहुंच गई हैं। कहने को तो यह बेशक छोटी घटना हो पर इससे सामाजिक रुझान भी झलकता है। चिंतित करने वाली बात यह है कि प्रतिबंध के बावजूद छात्रों तक ये मोबाइल कैसे पहुंचे। बार-बार रोके जाने के बावजूद यह क्रम नहीं रुका रहा था तो अभिभावकों की भूमिका को क्या कहें। इस मामले में स्कूल के प्राचार्य व अध्यापकों की सराहना की जानी चाहिए कि आज के दौर में जब अध्यापकों के हाथ बंधे हैं और उनपर कई संहिताओं का साया है, ऐसे में उन्होंने सख्ती बरतते हुए अनुशासनप्रियता का साथ दिया है। शिक्षा के मंदिरों में विद्यार्थी नियमों का पालन नहीं करेंगे तो जीवन की पाठशाला में क्या करेंगे। अपने बच्चों के लिए तमाम सुविधाएं जुटाने वाले अभिभावकों को भी इस बात का ख्याल रखना चाहिए कि जो वे अपने बच्चो को उपलब्ध करवा रहे हैं वह कितना जरूरी है। याद रहे कि जरूरत और सुविधा में अंतर होता है। तकनीक के साथ चल कर ज्ञान हासिल करना बुरी बात नहीं पर उसके दुरुपयोग की आशंका कई बार पुष्ट हुई है। जाहिर है कि बच्चों ने मोबाइल खुद नहीं खरीदे होंगे इसलिए अभिंभावकों का भी यह फर्ज है कि वे स्कूल के नियमों का पालन करते हुए छात्रों को मोबाइल फोन न दें। यह घटना तो सामने आ गई लेकिन ऐसे बहुत स्कूल होंगे जहां अनुशासन फोन की घंटी में दब जाता होगा। अगर तीसा के समान अन्य स्कूलों में अध्यापक सख्ती बरतें तो विद्यार्थियों की उदंडता को नकेला जा सकता है। इसके लिए अभिभावक और अध्यापकों के बीच परिपक्व तालमेल बहुत ही जरूरी है। इसलिए जरूरी है क्योंकि यह बुनियाद रचने का संवेदनशील समय है। इसमें कोई भी पल कमजोर रह गया या भटक गया तो दीवारें नाज करने योग्य नहीं रहेंगी। सवाल प्रदेश और देश के लिए सही पौध तैयार करने का है। स्वाभाविक है कि इसे हल्के में नहीं लिया जाना चाहिए। उम्मीद है, स्कूलों में अनुशासन जिंदा रहेगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक शिव कुमार तिवारी द्वारा कम्पयूडाटा सर्विसेज, 42 स्कीम-1 फेज-2, ओखला इंडस्ट्रियल काम्पलेक्स नई दिल्ली 110020 से मुद्रित एवं कमरा संख्या -2 प्रथम तल 364 बी/5, गोविंदपुरी, कालकाजी, नई दिल्ली-110019 से प्रकाशित।
सम्पादक : शिव कुमार तिवारी
फोन : 011-26224048 मो : 09868091073
वेबसाइटः yuvashaktionline.com;
ईमेलः editor.ysv@gmail.com

सजा को लेकर राजनीति शुरू

आतंकवाद के 'रंग' को लेकर हुई सियासत के बाद अब आतंकवादियों को सुनाई गयी सजा को लेकर राजनीति शुरू हो गयी है। यह वाकई दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है जिसमें कि जनभावनाओं का हवाला देते हुए उन आतंकवादियों को बचाने का प्रयास किया जा रहा है जिनकी मौत की सजा पर न सिर्फ उच्चतम न्यायालय अपनी मुहर लगा चुका है बल्कि राष्ट्रपति भी उनकी दया याचिका खारिज कर चुकी हैं।

तमिलनाडु विधानसभा की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के हत्यारों को फांसी नहीं देने का सर्वसम्मति से पास किया गया प्रस्ताव भानुमति का पिटारा खोल देने जैसा है। राज्य विधानसभा के इस कदम के बाद विभिन्न राज्यों में पार्टियां अपने चुनावी फायदे को देखते हुए ऐसे ही खतरनाक खेल खेल सकती हैं। इसकी शुरुआत हो भी गयी है। तमिलनाडु विधानसभा के प्रस्ताव के बाद जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ट्वीट किया कि यदि जम्मू-कश्मीर विधानसभा अफजल गुरु को माफी के संबंध में प्रस्ताव पास करती तो क्या प्रतिक्रिया होती? इससे पहले देवेंद्र पाल सिंह भुल्लर को माफी दिलाने के लिए पंजाब के सभी पार्टियों के नेता एक हो ही चुके हैं।

गौरतलब है कि देश में कई ऐसे मुजरिम या आतंकवादी हैं जिन्हें मौत की सजा सुनाई गयी है। अब जो सिलसिला शुरू हुआ है उससे संभव है कि जिस जिस की सजा की तारीख नजदीक आती जायेगी उसके पक्ष में अपना चुनावी नफा नुकसान देख राजनीतिक पार्टियां उसके पक्ष में खड़ी होती रहेंगी। तमिलनाडु विधानसभा द्वारा शुरू किया गया यह सिलसिला चल निकला तो यकीनन आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश देने के हमारे प्रयासों को क्षति ही पहुंचेगी।

आखिर यह राजनीति नहीं तो और क्या है कि तमिलनाडु की मुख्यमंत्री जयललिता ने राजीव गांधी के हत्यारों की सजा के मामले पर पहले तो कहा कि राष्ट्रपति के आदेश में संशोधन करने का उनके पास कोई अधिकार नहीं है लेकिन जब उनके कट्टर प्रतिद्वंद्वी करुणानिधि ने राजीव के हत्यारों की मौत की सजा को रद्द करने की वकालत करते हुए कहा कि यदि उन्हें छोड़ दिया जाता है तो तमिल लोग खुश होंगे तो जयललिता ने एकाएक पैंतरा बदल लिया और अगले ही दिन विधानसभा में सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित करा दिया जिसमें दोषियों की फांसी की सजा को माफ करने का आग्रह किया गया। यही नहीं राज्य के कई अन्य पार्टियों के नेता भी इस मामले से संभावित चुनावी लाभ का आकलन करते हुए मैदान में कूद पड़े। वाइको तो अदालत पहुंच गये और वरिष्ठ अधिवक्ता राम जेठमलानी के तर्कों की बदौलत दोषियों की सजा को आठ सप्ताह तक टलवाने में सफल भी रहे। श्रीलंका के भी कुछ सांसदों ने भारत के राष्ट्रपति और अन्य नेताओं को पत्र लिखकर राजीव के हत्यारों को फांसी नहीं देने की मांग कर डाली। अब तो कांग्रेस के कुछ नेता भी इसी धारा के साथ चलना लाभप्रद मान रहे हैं। मणिशंकर अय्यर का कहना है कि तीनों दोषियों को फांसी नहीं देनी चाहिए और उन्हें शेष जीवन जेल में बिताने देना चाहिए। यह दोहरा रवैया नहीं तो और क्या है कि एक ओर जहां राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस का मत है कि कानूनी प्रक्रिया को अपना काम करने देना चाहिए वहीं राज्य स्तर पर उसके नेताओं को कानूनी प्रक्रिया में हस्तक्षेप से कोई गुरेज नहीं है। यहां दोष सिर्फ एक दल का नहीं बल्कि सभी पार्टियों का है क्योंकि हर कोई राजीव के हत्यारों को फांसी में अपना चुनावी नुकसान देख रहा है।

दूसरी ओर बात जम्मू-कश्मीर की करें तो यकीनन यह एक संवेदनशील राज्य है। यह बात जब सभी को पता है तो निश्चित रूप से वहां के मुख्यमंत्री इससे अनजान नहीं होंगे। लेकिन उनके हालिया बयान पर गौर किया जाये तो कुछ सवाल उठ खड़े होते हैं। संसद पर हमले के दोषी अफजल गुरु के संबंध में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ट्वीट किया कि क्या हो जब राज्य विधानसभा अफजल को माफी के संबंध में प्रस्ताव पास करे? अपनी इस टिप्पणी पर उन्हें सिर्फ अपने पिता के अलावा किसी अन्य राष्ट्रीय स्तर के नेता का समर्थन नहीं मिला तो इस पर आश्चर्य नहीं होना चाहिए। लेकिन उमर की टिप्पणी ने राजनीतिक गुल खिलाना तो शुरू कर ही दिया है और यह शायद उनकी टिप्पणी का ही कमाल है कि एक निर्दलीय विधायक शेख अब्दुल रशीद ने राज्य विधानसभा को एक प्रस्ताव सौंपा है जिसमें मानवीय आधार पर अफजल के लिए क्षमादान की मांग की गयी है। मान लीजिये यदि 26 सितंबर से शुरू होने वाले विधानसभा के सत्र में यह प्रस्ताव पास भले न हो लेकिन यदि इस पर सिर्फ चर्चा ही हो जाये तो क्या यह उच्चतम न्यायालय और राष्ट्रपति के आदेशों की अवमानना नहीं होगी और क्या इससे बहुत मुश्किल से शांत हुए राज्य में फिर से हालात बिगड़ सकने की संभावनाएं प्रबल नहीं होंगी? भारतीय लोकतंत्र के प्रतीक संसद पर हमले के दोषी के लिए यदि माफी की मांग की जा रही है तो कल को कोई अजमल कसाब के लिए भी माफी की अपील कर सकता है और चुनावी लाभ की संभावना देखते हुए कोई विधानसभा में इस मुद्दे पर भी प्रस्ताव ला सकता है।

यह बात वाकई समझ से परे है कि कुछ समय पूर्व तक अलगाववादियों के खिलाफ कड़ा रुख रखने वाले उमर के सुर अब उन (हुर्रियत नेताओं) जैसे क्यों होते जा रहे हैं।

तीसरी स्थिति पंजाब की है जोकि बड़ी मुश्किल से आतंकवाद के साये से बाहर निकला था। वहां के नेताओं को चाहिए कि वह इस मुद्दे पर अपना रुख लगातार कड़ा बनाये रखें लेकिन हो इसका उलटा रहा है। फांसी की सजा सुनाये गये देवेंद्र पाल सिंह भुल्लर को माफी देने के पक्ष में जब पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष कैप्टन अमरिंदर सिंह खड़े हुए तो मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल ने अपने प्रतिद्वंद्वी पर हावी होने के लिए प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को पत्र लिख कर भुल्लर को माफी देने की मांग कर डाली। हाल के घटनाक्रमों के बाद संभव है कि किसी कट्टरपंथी धड़े से जुड़ा कोई विधायक भुल्लर की माफी के लिए भी प्रस्ताव पेश कर दे। पंजाब में विधानसभा चुनाव निकट हैं इसलिए कोई भी दल नहीं चाहेगा कि वह कथित जनभावनाओं के विपरीत जाये या फिर उसे किसी वर्ग का विरोध झेलना पड़े।

इन सभी घटनाक्रमों पर गौर के बाद यहां सवाल यह खड़ा होता है कि आतंकवादियों को माफी के लिए जिन जनभावनाओं का हवाला दिया जा रहा है उसका कथित आंकड़ा राजनीतिक दलों के पास कहां से आया? क्या कोई सर्वेक्षण कराया गया है अथवा कोई जनमत संग्रह? जनता हमेशा से आतंकवादियों और अपराधियों के साथ कड़ाई से निबटने की प्रबल पक्षधर रही है, यह सिर्फ राजनीतिक दल ही हैं जो अपने लाभ के लिये जनभावनाओं का झूठा हवाला देते रहे हैं। जनता को चाहिए कि वह राजनीतिक दलों की ओर से कथित जनभावनाओं की आड़ लेकर राजनीतिक रोटियां सेंके जाने पर सवाल उठाये और अपना मत भी बेहिचक उजागर करे। देश के न्यायालयों की ओर से सुनाये गये फैसलों का पालन कराना भले प्रशासन की जिम्मेदारी हो लेकिन इन फैसलों के साथ खड़े होना जनता का भी कर्तव्य है।

बहरहाल, जहां तक बात मौत की सजा के नैतिक पक्ष की है तो यह सही है कि दुनिया भर में इसका प्रचलन कम हो रहा है और मीडिया रिपोर्टों के आंकड़ों के मुताबिक 139 देश फांसी की सजा को हटा चुके हैं। अपने देश में भी फांसी की सजा को खत्म करने की बहस वर्षों से चल रही है लेकिन किसी तार्किक अंजाम तक नहीं पहुंच पायी है। जब तक इस मामले में कोई एकराय नहीं बन जाती तब तक जघन्य अपराधों, कांडों में शामिल लोगों की सजा पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए क्योंकि इससे सिर्फ आतंकवादियों और अपराधियों का हौसला ही बुलंद होगा क्योंकि उन्हें पता है कि पहले तो मुकदमा वर्षों तक चलेगा और जब सजा सुना भी दी जायेगी तो राजनीतिक कारणों से इसमें विलंब होता रहेगा।

अमिताभ बच्चन : एक संपूर्ण एवं आदर्श व्यक्तित्व के स्वामी

भारतवर्ष की अतिविशिष्ट हस्तियों में अमिताभ बच्चन एक ऐसा नाम है जो अपनी बहुमुखी प्रतिभा के चलते पूरे विश्व के लिए किसी परिचय का मोहताज नहीं है। स्वयं अंतर्जातीय विवाह करने वाले देश के प्रसिद्ध कवि हरिवंश राय बच्चन के घर जन्मे अमिताभ बच्चन का शुरुआती जीवन शिक्षा पूरी करने के बाद भले ही आम लोगों की तरह रोज़ी-रोटी की तलाश से क्यों न शुरु हुआ हो परंतु ख्वाजा अहमद अब्बास जैसे रत्न पारखी निर्देशक ने सात हिंदुस्तानी फिल्म के माध्यम से उन्हें सिने जगत में प्रवेश देकर सदी के महानायक बनने तक के अमिताभ बच्चन के सफर की बुनियाद रख दी थी। बहरहाल आज वही अमिताभ बच्चन फिल्म जगत के माध्यम से कभी एंग्री यंग मैन, कभी सुपर स्टार, कभी पद्मभूषण तो कभी पद्मविभूषण, कभी बिग बी, कभी शहंशाह तो कभी सदी के महानायक, अर्थात् मिलेनियम स्टार जैसे सबसे बुलंद रुतबे तक पहुंचते दिखाई दे रहे हैं।

ऐसा नहीं है कि अमिताभ बच्चन ने अपने जीवन का यह सफर निर्बाध रूप से तय किया हो। उन्हें अपने जीवन में कई तरह के उतार-चढ़ाव, परेशानियों व राजनैतिक मतभेद व विद्वेष का भी सामना करना पड़ा है। निश्चित रूप से अमिताभ बच्चन को बच्चों से लेकर बुज़ुर्गों तक उनके प्रतिभाशाली व्यक्तित्व तथा शानदार अभिनय के कारण उन्हें भली प्रकार से जानते-मानते व पहचानते हैं। परंतु सौभाग्यवश मैं उन कुछ लोगों में से हूं जिसने अमिताभ बच्चन को बहुत निकट से देखा, समझा व परखा है। 1985 से लेकर 1987 तक के उनके राजनैतिक जीवनकाल में जिस समय वे इलाहाबाद से लोकसभा के सदस्य थे उस समय मैं अमिताभ बच्चन के काफी नज़दीक था तथा उनके राजनैतिक सहयोगी के रूप में उनके साथ था। इस कारण मुझे उनके व्यक्तित्व, उनके स्वभाव तथा उनके सोच-विचार आदि के बारे में गहराई से समझने-बूझने का अवसर मिला। मैंने देखा कि वे मात्र एक अभिनेता ही नहीं बल्कि एक साथ कई विशेषताओं के धनी व्यक्ति हैं। धर्मनिरपेक्षता, राष्ट्रीयता, हिंदी भाषा का ज्ञान, शब्दों का सही उच्चारण, साहित्यिक दिलचस्पी, समाज सेवा का जज़्बा, दोस्ती निभाने का सलीका, वफादारी तथा देश के लिए कुछ कर गुज़रने का हौसला, ज़रूरतमंदों की मदद करना व अपने पेशे अर्थात् अभिनय में दक्ष्यता आदि सभी विशेषताएं बिग बी के भीतर समाई हुई हैं।

मेरे विचार से उनके व्यक्तित्व में शामिल इन्हीं उपरोक्त विशेषताओं में से कुछ ऐसी विशेषताएं भी हैं जिन्होंने अमिताभ को नुकसान भी पहुंचाया। उदाहरण के तौर पर 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या के बाद उनका राजनीति में कदम रखने का फैसला बावजूद इसके कि उनके स्वभाव के अनुरूप नहीं था फिर भी उन्होंने मात्र नेहरू परिवार से अपनी पारिवारिक घनिष्ठता तथा राजीव गांधी से उनके पारिवारिक संबंध के चलते किया। उनके इस निर्णय ने कांग्रेस पार्टी को भले ही कुछ दिया हो परंतु अमिताभ बच्चन के लिए यह एक बड़े घाटे का सौदा साबित हुआ। उनके राजनीति में प्रवेश करते ही उनके ज़बरदस्त ग्लैमर भरे व्यक्तित्व का प्रयोग उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री हेमवती नंदन बहुगुणा जैसे दिग्गज नेता को चुनाव हराने के लिए किया गया। उनके चुनाव जीतते ही ''राजनीति में पारंगत'' कांग्रेस नेताओं द्वारा उनकी टांग खिंचाई शुरु कर दी गई तथा उनके साथ ईर्ष्या व विद्वेष रखा जाने लगा।

उनके सांसद चुने जाने के कुछ ही समय बाद बच्चन परिवार पर बोफोर्स तोप सौदे में दलाली खाए जाने का एक ऐसा इल्ज़ाम लगाया गया जिससे अमिताभ बेहद दु:खी हुए। बहरहाल आरोप मढ़ने व बेवजह बदनाम करने जैसे राजनैतिक हथकंडों से बेखबर अमिताभ बच्चन हालांकि इस बात की लाख सफाई देते रहे कि वे तथा उनके परिवार के किसी भी सदस्य का बोफोर्स तोप सौदे में खाई जाने वाली दलाली से कोई लेना-देना नहीं है। परंतु अमिताभ बच्चन पर आरोप लगाने के बहाने मौकापरस्त राजनीतिज्ञों ने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी पर भी सीधा निशाना साध लिया। नतीजतन चुनाव हुए तथा कांग्रेस की सरकार गिर गई और देश में गठबंधन सरकारों का वह दुर्भाग्यशाली दौर शुरु हुआ जो आज तक जारी है। और इन्हीं बेबुनियाद आरोपों से दु:खी होकर अमिताभ बच्चन ने न केवल इलाहाबाद से लोकसभा की सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया बल्कि राजनीति को भी अलविदा कह दिया।

अब उपरोक्त घटनाक्रम में हम यह साफतौर पर देख सकते हैं कि अमिताभ बच्चन ने मात्र पारिवारिक संबंध व मित्रता निभाने के कारण राजीव गांधी का साथ देने तथा कांग्रेस पार्टी में शामिल होकर सक्रिय राजनीति करने व देश सेवा किए जाने का निर्णय लिया था। परंतु इसके बदले में उन्हें बदनामी, रुसवाई, नुकसान तथा फिल्म उद्योग से फासले के सिवा और कुछ नहीं मिला। हां कांग्रेस पार्टी जैसे विशेष राजनैतिक संगठन के साथ जुड़ने से उनकी उस समय लोकप्रियता अवश्य कम हो गई क्योंकि उनपर एक विशेष राजनैतिक संगठन से जुड़े होने का ठप्पा लग गया था।

यदि उनके राजनैतिक जीवन में उनके साथ ''राजनीति'' न की गई होती तथा उन्हें उनके साधारण, निश्छल तथा पारदर्शी स्वभाव के अनुरूप राजनीति में रहने दिया जाता तो संभवतरू आज देश की राजनीति की दिशा और दशा ऐसी दयनीय न होती जैसी कि नज़र आ रही है। मुझे याद है कि 1985 में जिस समय वे इलाहाबाद से चुनाव मैदान में उतरे थे उस समय उनके हाथ में निर्माणाधीन तीन फिल्में थीं। वे सार्वजनिक रूप से इलाहाबाद की जनता से यह कहा करते थे कि मैं अपनी इन निर्माणधीन फिल्मों को पूरा करने के बाद पूरी तरह से आपके बीच आपकी सेवा करने के लिए हमेशा के लिए आ जाऊंगा। परंतु राजनीति के उस समय के महारथियों ने ऐसा नहीं होने दिया और अमिताभ बच्चन बड़े बेआबरू होकर राजनीति से बिदा हो गए।

लोकसभा से मई 1987 में त्यागपत्र देने के बाद अमिताभ पर संकट का दौर शुरु हो गया। उन्होंने अपनी असाधारण सोच के अनुरूप भारत में पहली बार मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता का आयोजन कराने का निर्णय लिया। उनके इस आयोजन पर बेहिसाब धनराशि खर्च हो रही थी। परंतु बैंगलौर में होने जा रहे इस आयोजन का देश में भारी विरोध किया जाने लगा। दरअसल इस विरोध का कारण भी भले ही ज़ाहिरी तौर पर यही प्रचारित किया गया कि यह विरोध कथित श्राष्ट्रवादी्य संगठनों द्वारा किया जा रहा है, परंतु दरअसल इस विरोध का कारण उनके वही पुराने राजनैतिक संबंध थे जिनका भुगतान उन्हें बाद में भी करते रहना पड़ा। इस विश्वस्तरीय आयोजन की असफलता ने उन्हें भारी क्षति पहुंचाई।

परंतु ऐसे संकटकालीन समय में किसी ने भी उनका साथ नहीं दिया। इसी बीच उनके सादे मिज़ाज व भोलेपन तथा वफादारी की परख रखने वाले विवादित राजनैतिक व्यक्ति अमर सिंह ने उनके जीवन में प्रवेश किया। उन्होंने हालांकि अमिताभ बच्चन की काफी मदद की परंतु वे उस मदद के बदले में न केवल अमिताभ बच्चन बल्कि उनके पूरे परिवार के ग्लैमर को भुनाने की बाकायदा कोशिश करने लगे। परंतु जिस प्रकार दूध का जला छाछ को भी फूंक फूंक कर पीता है, उसी प्रकार अमिताभ बच्चन ने भी अमरसिंह के तत्कालीन राजनैतिक संगठन समाजवादी पार्टी से राजनैतिक रूप से फासला बनाए रखने की काफी कोशिश की। इसके बावजूद तीव्र राजनैतिक बुद्धि वाले अमर सिंह बिग बी की धर्मपत्नी जया बच्चन को समाजवादी पार्टी से राज्यसभा का सदस्य बनवाए जाने में सफल रहे।

कुछ ही समय बाद अमिताभ बच्चन को यह महसूस होने लगा कि संभवत: एक बार फिर उनके साथ बदनामी व रुसवाई का वही सिलसिला दोबारा न शुरु हो जाए जो कि 1985-87 के दौरान हुआ था। लिहाज़ा उन्होंने धीरे-धीरे अमर सिंह व समाजवादी पार्टी के मुखिया मुलायम सिंह यादव दोनों से कन्नी काटना शुरु कर दिया। उधर राजनैतिक समीकरण इत्तेफाक से कुछ ऐसे गड़बड़ाए कि अमर सिंह को भी समाजवादी पार्टी से बाहर का रास्ता देखना पड़ा। कल तक अमिताभ बच्चन को बड़े भैया कहकर संबोधित करने वाले अमर सिंह व बच्चन परिवार के मध्य संवाद का सिलसिला खत्म हो गया।

परंतु पिछले दिनों नोट के बदले वोट कांड में जेल जाने के बाद जब अमर सिंह अपनी बीमारी के चलते जेल से अस्पताल में भर्ती कराए गए, उस समय एक बार फिर अमिताभ बच्चन ने अपने पिछले संबंधों की कद्र करते हुए अमर सिंह से अप्रत्याशित रूप से दिल्ली के एम्स में जाकर उनसे शिष्टाचार के नाते मुलाकात की तथा उनका कुशलक्षेम जाना। जबकि जिस समाजवादी पार्टी के लिए अमर सिंह ने बड़ी से बड़ी कुर्बानी दी, उस पार्टी का कोई भी ज़िम्मेदार नेता उन्हें पूछने तक नहीं गया।

यह अमिताभ बच्चन का बडक़्पन नहीं तो और क्या है। इस प्रकार की और अमिताभ बच्चन से जुड़ी न जाने कितनी घटनाएं ऐसी हैं जो बार-बार उनके उच्चकोटि के संपूर्ण आदर्श व्यक्तित्व को प्रमाणित करती हैं। आज भी कौन बनेगा करोड़पति के सेट पर वे अपने जीवन के 7वें वर्ष में भी जिस प्रकार का अभिनय करते, जिस प्रकार का व्यवहार प्रदर्शित करते तथा करोड़ों भारतवासियों का दिल जीतते दिखाई देते हैं उसे देखकर निश्चित रूप से उनमें सदी के महानायक होने की पूरी झलक साफ नज़र आती है।

कोलकाता फिल्मोत्सव पर भी बदलाव का रंग

वामपंथियों के मजबूत गढ़ रहे पश्चिम बंगाल में कोई छह महीने पहले सियासी बदलाव की जो बयार शुरू हुई थी उसका असर इस साल कोलकाता फिल्मोत्सव पर भी नजर आने लगा है। मां, माटी और मानुष यानी मां, जमीन और मनुष्य के की लहर पर सवार होकर सत्ता में आई ममता बनर्जी की अगुवाई वाली तृणमूल कांग्रेस-कांग्रेस सरकार ने अब इस प्रतिष्ठित फिल्मोत्सव को भी बदलाव के रंग में रंग दिया है। 1 नवंबर से शुरू हुआ यह फिल्मोत्सव 17 नवंबर तक चलेगा।

इस साल राज्य में हुए सत्ता परिवर्तन के मद्देनजर यहां हो रहे बदलाव के प्रति लोगों का ध्यान खींचना और उन्हें जागरूक करना इस उत्सव का प्रमुख मकसद है। फिल्मोत्सव के पिछले आयोजन 17 साल लंबे इतिहास में दर्शक के तौर पर अब तक फिल्म प्रेमियों का चुनिंदा वर्ग ही शामिल हो पाता था। लेकिन इस साल राज्य सरकार ने इसे मां-माटी-मानुष से जोडने के लिए इसका दरवाजा आम आदमी के लिए खोल दिया है। संस्कृति विभाग का भी कार्यभार देख रहीं बनर्जी ने इसमें सक्रिय रुचि दिखाई है। बनर्जी ने स्वयं उदघाटन समारोह का आयोजन स्थल पारंपरिक नंदन से हटाकर नेताजी इनडोर स्टेडियम में कराने का निर्देश दिया था। नंदन में कोई एक हजार लोग बैठ सकते थे। लेकिन नेताजी इंडोर स्टेडियम की क्षमता 1 हजार से ज्यादा है।

कुछ फिल्मकारों ने पहले उद्घाटन स्थल को बदलने के सरकार के फैसले की आलोचना भी की थी। जाने माने फिल्म निर्माता मृणाल सेन ने कहा है कि नंदन में उद्घाटन समारोह आयोजित करना यहां की एक परंपरा रही है। यहां करीब 9 लोगों के बैठने की क्षमता है, जो इस तरह के आयोजन के लिए पर्याप्त है। वह कहते हैं कि दुनिया भर के सभी प्रमुख समारोह नंदन जैसे स्थलों पर आयोजित होते रहे हैं जहां सीमित लोगों के बैठने की जगह होती है, न कि हजारों लोगों की क्षमता वाले किसी स्टेडियम में। इसके अलावा यह सवाल भी उठा कि क्या स्टेडियम में फिल्म के प्रदर्शन की समुचित व्यवस्था है। लेकिन उद्घाटन समारोह के सफल आयोजन ने इन सवालों का जवाब दे दिया है। उद्घाटन के अगले दिन मृणाल सेन भी नाराजगी छोड़ कर फिल्मोत्सव में गए।

ममता कहती हैं कि फिल्मोत्सव जैसे किसी आयोजन को मुठ्ठी भर लोगों तक ही सीमित रखना संभव नहीं है। ममता ने यह कहते हुए इस फैसले का बचाव किया कि नेताजी इंडोर स्टेडियम में हजारों लोग पहली बार इस उद्घाटन समारोह को देख सकते हैं। उद्घाटन समारोह देखने आए एक फिल्मप्रेमी गीतेश घोष कहते हैं, सरकार का यह फैसला बढ़िया है। इस साल मैंने पहली बार उद्घाटन समारोह देखा।

यही नहीं, भारी आर्थिक तंगी से जूझ रही राज्य सरकार ने इस कोलकाता फिल्मोत्सव (केएफएफ) के लिए 6 लाख रुपए भी दिए हैं। सरकार ने फिल्मोत्सव का बजट लगभग तीन गुना बढ़ा दिया है। बीते साल यह एक करोड़ था जिसे बढ़ा कर इस साल 2.75 करोड़ कर दिया गया है। राज्य के सूचना और संस्कृति विभाग की सचिव नंदिनी चक्रवर्ती ने कहती हैं, सरकार ने इसके लिए 6 लाख रुपये मंजूर किए और बाकी रकम का इंतजाम निजी प्रायोजकों द्वारा किया जा रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र की सेल, गेल, आईडीबीआई और एसबीआई जैसी कंपनियां भी इसमें पैसे लगा रही हैं। बीते साल राज्य सरकार ने फिल्मोत्सव के लिए महज 45 लाख रुपये दिए थे।

वाममोर्चा सरकार की ओर से शुरू हुआ इस उत्सव ने इस साल क्षेत्रीयता से बालीवुड की डगर पर भी कदम रख दिया है। अब तक बांग्ला और दूसरी क्षेत्रीय भाषाओं की जानी-मानी हस्तियां ही इसका उद्घाटन करती थीं। लेकिन पहली बार शाहरुख खान और शर्मिला टैगोर इसका उद्घाटन किया। यही नहीं, जाने-माने फिल्मकार अशोक कुमार को जन्मशताब्दी वर्ष में याद करने के लिए उनकी चार फिल्मों- अछूत कन्या, किस्मत, चलती का नाम गाड़ी और हाटे-बाजारे का भी प्रदर्शन किया जाएगा। फिल्मोत्सव के दौरान सत्यिजत रे की खींची हुई कोलकाता की सौ तस्वीरों की एक अनूठी प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जा रहा है। इस आठ दिवसीय फिल्मोत्सव में 5 देशों की 15 फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा।

दिल्ली के नंदनगरी कम्युनिटी सेंटर में बीती रात आग लग जाने से वहां कई किन्नरों की मौत हो गई। घटना के बाद घायलों का हालचाल पूछने जीटीबी अस्पताल पहुंचे प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता।

नंदनगरी अग्निकांड में मुआवजे की घोषणा

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के नंदनगरी इलाके में रविवार रात किन्नर सम्मेलन के दौरान आग लगने के मामले में दिल्ली सरकार ने मुआवजे की घोषणा की दी है। इस बीच दिल्ली पुलिस ने इस हादसे में सम्मेलन के आयोजकों के खिलाफ लापरवाही से मौत का मामला भी दर्ज कर लिया है। उधर इस हादसे के बाद सोमवार सुबह जीटीबी अस्पताल पहुंचने पर मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को किन्नरों के रोष का सामना करना पड़ा।

सोमवार सुबह मुख्यमंत्री शीला दीक्षित जब जीटीबी अस्पताल पहुंची तो वहां मौजूद किन्नरों ने जमकर हंगामा किया। विरोध के बावजूद मुख्यमंत्री इस हादसे में घायल हुए किन्नरों से मिली। मुख्यमंत्री के साथ स्वास्थ्य मंत्री डॉ. एके वालिया, विधायक वीर सिंह धिंगान, प्रधान स्वास्थ्य सचिव अंशुप्रकाश और मंडलायुक्त विजयदेव भी मौजूद थे। घायलों से मिलने के बाद मुख्यमंत्री ने मृतकों के लिए दो लाख रुपए के मुआवजे की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लापरवाही के कारण हुई इस घटना की जांच के आदेश पहले ही जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि इस हादसे में मारे गए लोगों को दो लाख, गंभीर रूप से झुलसे लोगों को पचास हजार जबकि मामूली रूप से घायलों को पांच हजार रुपए दिए जाएंगे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने सभी घायलों के मुफ्त उपचार और जरूरी दवाएं देने के आदेश दिए हैं।

उधर इस मामले में दिल्ली पुलिस ने सम्मेलन के आयोजकों के खिलाफ लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आयोजकों ने सम्मेलन के आयोजन के लिए पुलिस तथा दमकल विभाग से मंजूरी हासिल नहीं की थी और उनके खिलाफ मामला दायर किया गया है।

अधिकारी सुस्त तो कैसे होगी बिजली व्यवस्था दुरुस्त

गुड़गांव। साइबर सिटी में विश्व बैंक योजना के तहत सिस्टम की मजबूती पर काम कब से शुरू होगा, इसका अंदाजा नहीं। शुरू से ही योजना के प्रति लापरवाही बरती जा रही है। पहले टेंडर अलॉट करने में देरी की गई और अब काम शुरू करने में। ऐसी स्थिति में निर्धारित समय में योजना के तहत काम पूरा हो जाएगा, इस पर भी संदेह है।

दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम ने विश्व बैंक के माध्यम से 11 करोड़ रुपये की योजना बनाई है। इस योजना पर दो वर्ष से काम चल रहा है। डेढ़ वर्ष लग गए टेंडर अलॉट करने में। टेंडर नोएडा की एक कंपनी को दिया गया है। टेंडर अलॉट हुए भी महीनों हो गए, लेकिन अब तक सर्वे ही चल रहा है। ऐसा लगता है कि जैसे कंपनी प्रतिनिधियों के साथ अधिकारियों की बैठक खानापूर्ति के लिए होती है। यदि गंभीरता दिखाई जाती तो अब तक सर्वे पूरा होकर काम शुरू हो जाता।

योजना के तहत पुराने गुड़गांव के इलाके में लो वोल्टेज डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम की जगह हाई वोल्टेज डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम विकसित होना है। इसके तहत जहां नई लाइनें डाली जाएंगी, वहीं सैकड़ों बिजली के खंभे व छोटे-छोटे ट्रांसफार्मर लगाए जाएंगे। इसका उद्देश्य लाइन लॉसिस को कम करना यानी बिजली चोरी पर नियंत्रण पाना है। काफी संख्या में ओवरलोडिंग के शिकार फीडरों को दो-दो भागों में बांटा जाएगा। इसके अलावा भी कई प्रकार के कार्य होने हैं जिससे साइबर सिटी की बिजली आपूर्ति व्यवस्था कुछ वर्षो के लिए पूरी तरह दुरुस्त हो जाएगी। जानकार बताते हैं कि योजना पर काम शुरू होने में जितनी देरी होगी उतनी ही इसकी अहमियत कम होती जाएगी। दिन प्रतिदिन नई तकनीक विकसित होती जा रही है। ऐसी स्थिति में आवश्यकता है कि योजना के तहत तत्काल काम हो। ऐसा लगता है जैसे विश्व बैंक योजना के तहत होने वाले कार्यो को लेकर निगम कहीं से गंभीर नहीं दिखता। यदि गंभीर दिखता तो अब तक काम शुरू हो गया होता। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के एडवाइजर (आपरेशन एवं फ्रेंचाइजी) एमबी वशिष्ठ स्वीकार करते हैं कि अब तक योजना के तहत काम शुरू हो जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि सर्वे लगभग अंतिम चरण में है। सर्वे पूरा होते ही काम शुरू हो जाएगा। योजना के क्रियान्वयन के बाद बिजली आपूर्ति व्यवस्था काफी मजबूत हो जाएगी। इसके बाद सिस्टम में कमी के कारण बिजली गुल होने की संभावना न के बराबर रहेगी।

गरीब बच्चों को साक्षर बनाने की योजना सुस्त

फरीदाबाद। स्लम बस्तियों के बच्चों को गंदगी के माहौल से निकालकर सुरक्षित छत के नीचे लाकर उनके जीवन में शिक्षा का उजियारा फैलाने की कवायद परवान नहीं चढ़ सकी हैं। छह माह से अधिक का समय बीत जाने के बाद भी अभी तक हॉस्टल का लेआउट नहीं बन सका है।

स्लम बस्तियों में गंदगी में बचपन खराब कर रहे छह से 14 वर्ष के बच्चों के लिए सर्व शिक्षा अभियान के तहत हास्टल बनाने की योजना बनाई गई थी। लक्ष्य था कि इन बस्तियों से बच्चों को हॉस्टल में लाकर शिक्षित कर साक्षर बनाया जाएगा। करीब छह माह पूर्व इस योजना की कवायद शुरू की गई थी। योजना के तहत दो हॉस्टल बनाए जाने हैं। जिले के दोनों खंडो बल्लभगढ़ व फरीदाबाद में ये हॉस्टल बनने हैं। लड़कियों के लिए बल्लभगढ़ सेक्टर 7 में व लड़कों के लिए एनआइटी एक नंबर में निर्माण प्रस्तावित है।

एक हॉस्टल में 1 बच्चों को रहने, खाने, पढ़ने की मुफ्त व्यवस्था की योजना है। डेढ़ सौ फुट लंबे व डेढ़ सौ फुट चौड़े हॉस्टल में पांच बड़े हाल बनाने की योजना है, जिसमें रीडिंग रूम, रसोई घर, पैंट्री, कामन रूम बनना प्रस्तावित हैं। करीब डेढ़ करोड़ की लागत से बनने वाला हॉस्टल अभी धरातल पर नहीं उतर सका है। सूत्रों की माने तो बजट भी स्वीकृत हो चुका है। बावजूद इसके स्लम बस्ती के बच्चों को साक्षर बनाने की योजना मूर्त रूप नहीं ले पाई है। निर्माण में हो रही देरी के पीछे विभाग द्वारा कछुआ गति से काम करना बताया जा रहा है।

जिला परियोजना समन्वयक डा.आलोक दीप सक्सेना बताती हैं कि नक्शा तैयार होकर कार्यालय आ चुका है। स्थान की निशानदेही होनी है। जल्द ही निशानदेही करा कर रिपोर्ट निदेशालय भेज दी जाएगी। अगले माह तक निर्माण कार्य शुरू हो जाने की उम्मीद है।

बदमाशों ने ज्वैलर्स भाइयों से आभूषण का थैला लूटा

लोनी। बाइक सवार चार बदमाशों ने तमंचे की नोक पर तीन ज्वैलर्स भाईयों से लाखों रूपये की ज्वैलरी से भरा थैला एवं मोबाईल फोन लूट लिया तथा मौके से फरार हो गए। तीनों एक आटो में बैठकर घर वापस जा रहे थे। पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शूरू कर दी है।

थाना प्रभारी राजेश द्विवेदी का कहना है कि जल्द ही घटना का खुलासा कर बदमाशों को गिरतार कर लिया जाएगा। वेस्ट ज्योतिनगर दिल्ली निवासी अनिल वर्मा अनिल तथा उसका भाई रवि एवं रिश्तेदार नवीन लोनी के नये बाजार में ज्वैलरी शाप चलाते हैं। रविवार शाम सात बजे तीनों दुकान बंद करने के बाद थ्रीव्हीलर में बैठकर घर वापस लौट रहे थे। जैसे ही उनका थ्रीव्हीलर आर्यनगर औद्योगिक क्षेत्र के सामने पहुंचा उसमें बैठा एक यात्री वहां उतर गया। जैसे ही वह चालक को किराए के पैसे देना लगा इसी दौरान दो बाइको पर सवार चार बदमाश वहां पहुंचे तथा चालक एवं ज्वैलर्स भाईयों की कनपटी पर तमंचे लगाकर जान से मारने की धमकी दी तथा ज्वैलरी से भरा थैला एवं एक मोबाईल फोन लूटकर फरार हो गए।

पीडित ज्वैलर्स थाने पहुंचे तथा अज्ञात बदमाशों के विरूद्ध घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए पुलिस को शिकायती पत्र दिया।

नवविवाहित जोड़े की कार ट्रक से टकराई, बच्ची की मौत

गाजियाबाद। थाना सिहानीगेट क्षेत्र में आने वाले एनएच-58 पर एक सड़क दुर्घटना के चलते नवविहाहित जोड़े की कार ट्रक से टकरा गई।हादसे के चलते 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गये और 1 मासूम बच्ची की मौत हो गई।

सूचना के मिलने के बाद पुलिस द्वारा घायल हुए लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां और गंभीर रूप से घायल दुल्हें को दिल्ली अस्पताल के रैफर किया गया है। मामलें में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने ट्रक को कब्जें में लेकर अज्ञात चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं सड़क दुर्घटना की शिकार हुए नवविहाहित जोड़े के परिजनों के साथ कालोनी वासियों में सन्नाटज्ञ पसरा हुआ है। एसपी सिटी जेके. शाही ने बताया कि मेरठ रोड स्थित देवपुरी निवासी वीरेंद्र सैनी 29 वर्षीय पुत्र अरूण सैनी का विवाह दिल्ली के डिफेंस कालोनी की निशा उर्फ रीना सैनी 26 के साथ रविवार को संपन्न हुआ। बताया जाता हैं कि शादी में दहेज के रूप में मिली ऑल्टों कार से बारात सहित घर आ रहे थे। कार में दुल्हा, अरूण, निशी, उसकी बहन जया, प्रीती, व उसकी 6 माह की बच्ची थी। कार को अरूण के जीता सचिन चला रहे थे। वहीं इसके पीछे ही दुल्हे के परिजनों की दूसरी गाड़ी आ रही थी। जब दिल्ली से लोटते हुए दुल्हा-दुल्हन मेरठ रोड़ पर उनकी कार पहुची तो गलत साइड से आ रहे एक तेज रफ्तार से ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। हादसे चलते पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गये और 6 माह की मासूम बच्ची की मौत हो गई। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची ने घायलों को स्थानीय निजी अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे में गंभीर रूप से घायल दुल्हें अरूण की हालत अभी भी चिंताजनक है। पुलिस ने मामलें में कार्रवाई करते हुए ट्रक को कब्जें में ले चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

ओपीडी में बढ़ने लगी मरीजों की संख्या

फरीदाबाद। मौसम में आए बदलाव के साथ ही बीमारियों ने भी अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। बल्लभगढ़ तथा बादशाह खान अस्पताल की ओपीडी में आम दिनों की अपेक्षा सोमवार को अधिक मरीज आए। पंजीकरण कक्ष तथा चिकित्सकों के कक्ष के बाहर मरीजों तथा परिजनों की कतारें लगी रही। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं कि ठंडक बढ़ने के साथ मरीजों की संख्या में इजाफा होने की संभावना है।

बीके.अस्पताल की ओपीडी में सोमवार को 13` मरीज तथा बल्लभगढ़ अस्पताल में चार सौ मरीज आए। इनमें से अधिकांश मरीज वायरल बुखार, खांसी तथा गला इंफेक्शन के थे। उप मुख्य चिकित्सा डा.एमएम.शर्मा ने बताया कि ठंड बढ़ने के साथ और मरीजों के बढ़ने की संभावना है। इस मौसम में लोगों को खान-पान तथा पहनावे के मामले में ध्यान देने की जरूरत है।

बीके.अस्पताल की ओपीडी में इलाज के लिए आने वाले सीनियर सिटीजन सोमवार को परेशान रहे। चिकित्सक कक्ष के बाहर उनके लिए अलग से कतार न होने के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा।

निजी कंपनी से सेवानिवृत्त अधिकारी सीएल.मक्कड़ ने नाराजगी जताई कि उन्होंने इस मसले को लेकर अधिकारियों से शिकायत भी की है, लेकिन कोई सुधार नहीं किया गया है। डबुआ कालोनी निवासी राम सुख सांस की तकलीफ के चलते दवा लेने आए थे। उन्हें भी अन्य मरीजों के साथ कतार में खड़े होकर काफी देर तक परेशानी झेलनी पड़ी।

आजाद नगर से आई निर्मला ने बताया कि वह अपनी मां मनकी का इलाज कराने आई हैं। लेकिन ताज्जुब की बात है कि बुजुर्गो के इलाज के लिए अलग से कोई व्यवस्था ही नहीं है। पलवल निवासी मुनीर खान ने भी अस्पताल में सीनियर सिटीजन के मामले में अलग से कतार की व्यवस्था न होने पर नाराजगी व्यक्त की।

गुर्जर समाज ने कर्नल बैंसला के आंदोलन में साथ देने का निर्णय लिया

लोनी। राजस्थान के गुर्जर आरक्षण के समर्थन में क्षेत्र के गुर्जरों ने भी आंदोलन शूरू करने की चेतावनी दी है। सोमवार को यह निर्णय बैठक के बाद लिया गया। बैठक में राजस्थान एवं केन्द्र सरकार पर गुर्जरों की उपेक्षा का आरोप भी लगाया गया। सोमवार दोपहर टीला कोठी पर आयोजित गुर्जर पंचायत को संबोधित करते हुए कैप्टन राजाराम बैंसला ने कहा कि राजस्थान में गत दिनों कर्नल बैंसला की अगुवाई में चले गुर्जर आरक्षण आंदोलन को वहां की तत्तकालीन भाजपा सरकार ने राजनाथ सिंह के निर्देशानुसार गुर्जरों को पांच प्रतिशत विशेष आरक्षण की घोषणा कर समाप्त करा दिया था, लेकिन राजस्थान में सत्ता परिवर्तन होने के बाद अब वहां की कांग्रेस सरकार आरक्षण देने को तैयार नही है। कर्नल बैंसला ने आरक्षण की मांग को लेकर 23 नवंबर से राजस्थान में फिर से व्यापक स्तर पर आंदोलन शूरू करने की घोषणा की है।

उन्होने कहा कि गाजियाबाद जनपद के समस्त गुर्जर समाज को एकजुट होकर उनके समर्थन में यहां भी आंदोलन शूरू करना चाहिए। भाजपा नेता नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि कांग्रेस गुर्जर समाज की उपेक्षा कर रही है, इसे बर्दास्त नही किया जाएगा। बैठक में सर्वसम्मति से फैसला लिया गया कि जल्द ही गुर्जर समाज की महापंचायत बुलाकर आंदोलन की रणनीति तय की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता प्रेमराज मावी ने तथा संचालन भाजपा नेता नंदकिशोर गुर्जर ने किया। बैठक में मुख्य रूप से वेदपाल, धर्मसिंह, जयचंद कसाना, मनोज मावी, नीरू चौधरी, सुरेन्द्र बैसोया, धर्मवीर कसाना, धर्मपाल प्रधान, जेनी बैंसला, वीरसैन नम्बरदार, राहुल बैसला, हंसराज मावी आदि सहित दर्जनों लोगों ने भाग लिया।

डेढ़ माह पूर्व गायब छात्रा इलाहाबाद से बरामद

मोदीनगर। लगभग डेढ़ माह पूर्व तिबड़ा रोड से गायब स्थानीय एक गर्ल्स इण्टर कॉलिज की छात्रा इलाहाबाद में मिल गयी। छात्रा के बयान के आधार पर हाई कोर्ट ने इलाहाबाद पुलिस को छात्रा के परिजनों के सुपुर्द करने का आदेश दिया है। साथ ही छात्रा के परिजनों द्वारा आरोपियों की गिरफ्तारी न करने का भी स्टे दिया है।

उल्लेखनीय है कि स्थानीय तिबडा रोड निवासी 17 वर्षीय कक्षा 12 की स्थानीय एक गर्ल्स इण्टर कालिज में पढ़ने वाली छात्रा गायब हो गयी थी। जिसकी छात्रा के परिजनों द्वारा मोदीनगर थाने में सात लोगों को नामजद करते हुए रिपोर्ट दर्ज करायी थी। पुलिस ने 2 आरोपियों को जेल भेजा था। इस मामले में पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की थी। छात्रा के अनुसार कालेज जाते वक्त उसका टीचर कालोनी से अपहरण कर लिया गया था। उसके मुंह पर कोइ नशीली वस्तु संघाकर उसे गाडी में डाल लिया गया। होश आने पर उसको बतायागया किवह लोग अलीगढ़ के आसपास पहुंच चुके हैं। आरोपी युवक उसे भिन्न-भिन्न स्थानों पर डरा धमका कर और नशीली चीज देकर रखते थे। छात्रा ने बताया कि उसे धमकी दी जाती थी कि मोदीनगर में हमारे बहुत आदमी हैं तेर भाई और मां को मरवा देंगे।

एक दिन मौका पा कर उसने अपनी मां को फोन पर सूचन भी दी थी कि युवकों ने उसे तमन्चों के बल पर बन्दी बनाया हुआ है और उसके साथ दुष्कर्म किया जा रहा है। छात्रा का कहना था कि डरा धमका कर उस से शादी के कागजातों पर हस्ताक्षर भी करवाये। लड़की की मां ने सात नवम्बर को थाना मोदीनगर में एक और तहरीर देकर लड़की को इलाहाबाद पहुंचने में मदद करने का आरोप लगाते हुए तीन लोगों पर आरोप लगाया था। उधर आरोपी युवक ने पुलिस उपमहा निरीक्षक व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इलाहाबाद को पत्र लिखकर सूचित किया है कि वह शादी कर चुके हैं। माननीय उच्च न्यायालय में आरोपियों के खिलाफ दर्ज करायी गयी रिपोर्ट के मामले में क्रिमिनल मिसलेनियस याचिका दायर की थी। जिसकी सुनवाई अदालत में होनी थी। लेकिन सुबह लगभग दस बजे मेरी पत्नी का कई लोगों ने अपहरण कर लिया। आशंका जताई है कि उसकी हत्या भी हो सकती है। स्थानीय पुलिस का कहना है कि छात्रा को मेडिकल जांच के लिए गाजियाबाद भेजा गया है। इसके बाद छात्रा के बयान मजिस्टेऊट के समक्ष करवाये जाएंगे। छात्रा के बयान के आधार पर ही पुलिस अपनी आगे कार्यवाही करेगी।

नंदनगरी हादसे पर मल्होत्रा ने जताया दुख

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के नंदनगरी इलाके में बीती रात किन्नर महासम्मेलन के दौरान लगी आग के बाद दिल्ली विधासभा में विपक्ष के नेता वीके मल्होत्रा ने मृतकों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा है कि अगर सरकार का आपदा प्रबंधन चुस्त-दुरुस्त होता तो इतना बड़ा नुकसान नहीं होता। प्रो. मल्होत्रा ने कहा कि दिल्ली में चाहे आतंकवादी घटना हो, मकान गिरने की घटना हो या बारिष अथवा बाढ़ जैसी दैवी आपदाएं हों, आपदा प्रबन्धन का उचित इन्तजाम न होने के कारण विषेष कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। पिछले वर्ष यमुनापार के ललिता पार्क में मकान गिरने से, हाईकोर्ट के बाहर हुई आतंकवादी घटना और चांदनी महल में मकान गिरने से भारी जान माल की हानी से आपदा प्रबन्धन की कमजोरियां उजागर हुई हैं। इन सभी घटनाओं में स्थानीय लोगों द्वारा सहायता कार्य किए गए हैं जबकि सरकारी मषीनरी काफी समय बाद मौके पर पंहुची है। उन्होंने कहा कि हर घटना के बाद सरकार जनता को बेहतर आपदा प्रबंधन का आष्वासन तो देती है, पर आगे इस दिषा में कोई ठोस कदम नहीं उठाये गये हैं। उन्होंने कहा कि आज से पांच छह वर्ष पूर्व भी यमुना पार की झुग्गियों में भयंकर आग लगी थी और तब उसकी जांच के लिए मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने डॉ. अषोक कुमार वालिया के नेतृत्व में एक कमेटी का गठन किया था, लेकिन उसकी रिपोर्ट आज तक पेष नहीं की गयी है। प्रो. मल्होत्रा ने कहा कि नंदनगरी के समुदायिक भवन में देषभर के लगभग 5` किन्नर अखिल भारतीय किन्नर महासभा में भाग लेने के लिए एकत्रित हुए थे और बाहर निकलने के लिए दरवाजे पर एक संकीर्ण रास्ता छोड़ा गया था, जिसके कारण इस अग्निकांड में इतनी बड़ी संख्या में मौतें हुई हैं। प्रो. मल्होत्रा ने कहा कि इस प्रकार के बड़े-बड़े समारोहों के आयोजन के लिए दिषा-निर्देष तय किया जाना चाहिए और उसपर अमल भी किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आग लगने पर कुआं खोदने की नीति विनाषकारी होती है। प्रो. मल्होत्रा ने उपराज्यपाल व मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि सभी शासकीय इकाइयों को मिलाकर आपदा प्रबन्धन का उचित व पर्याप्त प्रबन्ध करें।

सहकारिता पुरस्कार से पुरस्कार से नवाजा गया

नई दिल्ली। इस वर्ष दिल्ली सरकार द्वारा सर्वोत्तम सहकारी समिति का पुरस्कार गर्वनमेंट सेंट्रल हायर परचेज कोआपरेटिव सोसायटी लिमिटेड, झण्डेवालान को दिया गया है।

आज हिन्दी भवन में आयोजित एक समारोह में दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित ने इस प्रतिष्ठित पुरस्कार का वितरण किया। समारोह की अध्यक्षता दिल्ली सरकार के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री हारून युसुफ ने की। कार्यक्रम का आयोजन दिल्ली के रजिस्टार आफ कोआपरेटिव सोसायटी द्वारा किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में सरकारी अधिकारी एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

दिल्ली सरकार हर वर्ष सहकारिता को बढ़ावा देने के लिए सहकारिता सप्ताह मनाती है। ये पुरस्कार उसी की एक कड़ी हैं। पुरस्कार में एक शील्ड एवं प्रशस्तिपत्र दिया जाता है। सोसायटी की ओर से पुरस्कार समिति के अवैतनिक सचिव सुरेन्द्र कुमार शर्मा ने प्राप्त किया।

दर्शकों को लुभा रही है जयपुर की मिनिएचर पेंटिंग

नई दिल्ली। प्रगति मैदान में चल रहे 31वें अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेले के राजस्थान मंडप में जयपुर के एक कलाकार द्वारा निर्मित प्यार की खूबसूरत निशानी ताजमहल की मिनिएचर पेंटिंग मुख्य आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। इस अमूल्य पेंटिंग की विशेषता यह है कि इसकी बारीकियों को लैंस से देखने पर ही समझा जा सकता है। इस पेंटिंग को खरीदने के लिए लंदन के एक कला प्रेमी ने पांच करोड़ रुपये तक की पेशकश की है। इस पेंटिंग का निर्माण राजस्थान के युवा चित्रकार नवीन शर्मा ने किया है। उन्होंने बताया कि पेंटिंग में हस्तनिर्मित कागज 'वसली' का उपयोग किया गया है। यह पेंटिंग ताजमहल के उद्घाटन के दृश्य को बयां करती है। उद्घाटन के पूरे इतिहास को पेंटिंग में दर्शाया गया है, जिसमें मुगल बादशाह शाहजहां सफेद हाथी पर सवार होकर आए दिखाई देते हैं। दायीं तरफ बादलों से मुमताज को झांकते हुए दिखाया गया है। पेंटिंग के मध्य भाग के बॉर्डर में तीन बाई चार इंच के हिस्से में देश की लगभग 25 ऐतिहासिक इमारतें बनाई गई हैं। इसके बाद वाले ढाई इंच के बार्डर में 2 अलग-अलग हिस्सों में ताजमहल का इतिहास बताया गया है। पेंटिंग में शाहजहां-मुमताज की सुनहरी यादों को बहुत ही बारीकी से अंकित किया गया है और दो इंच वाले अंतिम बॉर्डर पर मुगल शासकों को दिखाया गया है। साथ ही मुमताज को दफनाते, शाहजहां से लेकर ताजमहल के निर्माण में संगमरमर ढोते मजदूर और अपने अंतिम समय में अकेले अपनी बेटी जहांआरा के साथ लालकिले के झरोखे से ताजमहल को निहारते और अंत में मुमताज के कब्र के पास दफन शाहजहां के मार्मिक दृश्य को पेंटिंग में बखूबी दिखाया गया है। नवीन शर्मा बताते हैं कि अगर ताजमहल दुनिया का सबसे नायाब अजूबा है तो इस पेंटिंग को कला के क्षेत्र में दूसरा अजूबा कहा जा सकता है। इसकी कीमत की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि लंदन में इसकी कीमत 5 करोड़ रुपये आंकी गई है। राजस्थान में पहले ही इसके लिए एक करोड़ रुपये की कीमत लगाई जा चुकी है। वैसे तो यह पेंटिंग एक अमूल्य निधि कही जा सकती है, लेकिन विदेशों में इसकी कीमत 2 करोड़ रुपये तक आंकी जा रही है। उन्होंने बताया कि इसकी ओरिजनल पेंटिंग कस्टडी में सुरक्षित है, जबकि मेले में इसकी स्कैन कॉपी को रखा गया है। इस बेशकीमती पेंटिंग को इंटरनेशनल अवार्ड्स के लिए नोमिनेट करवाने का प्रयास भी वे कर रहे हैं।

श्रीनगर में आज एक विरोध प्रदर्शन के दौरान सत्तारूढ़ सरकार का पुतला जलाते हुए कश्मीर के मुख्य विपक्षी दल पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के समर्थक।

मोदी ने मुस्लिम के हाथों भगवा शॉल किया स्वीकार

पोरबंदर। गुजरात के मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी के सद्भावना मिशन के दौरान मोदी को टोपी और काफा देने के दो असफल प्रयासों के बाद पोरबंदर में मुस्लिम समाज के धर्मगुरु ने उन्हें भगवा रंग की शॉल दी, जिसे मोदी ने सहर्ष स्वीकार कर लिया। इस शॉल पर ओम नमः शिवाय भी लिखा था। इससे पहले अहमदाबाद में सद्भावना उपवास के दौरान मोदी ने एक मस्लिम धर्मगुरु से टोपी लेने से इंकार कर दिया था। नवसारी में भी एक मुस्लिम धर्मगुरु ने नरेंद्र मोदी को काफा पहनाने का प्रयास किया था, मोदी ने इसे भी अस्वीकार कर दिया था। बाद में नरेंद्र मोदी की कार्यक्रमों में उन्हें टोपी या काफा जैसी धार्मिक पहचान वाले वस्त्र भेंट करने पर पाबंदी लगा दी गई थी। लेकिन पोरबंदर में जब मोदी को भगवा शॉल दी गई तो न सिर्फ मोदी ने झुककर उसे स्वीकार किया बल्कि राज्सभा में बीजेपी के सांसद विजय रूपानी ने मंच से घोषणा भी की कि मोदी को मुस्लिम समाज ने मोदी को शॉल भेंट की है।

पोरबंदर के सुन्नी मुस्लिम समाज ने जहां मोदी को शॉल तोहफे में दी वहीं जूनागढ़ सुन्नी मुस्लिम जमात ने उन्हें हनुमान की मूर्ति और भगवान कृष्ण का रथ दिया। अंजुमन इस्लाम पोरबंदर के अध्यक्ष कासम संधार के मुताबिक मुस्लिम समाज ने मूर्ति और भगवा शॉल देकर नरेंद्र मोदी को अपनी सद्भावना दिखाई है। पोरबंदर में ही सद्भावना मिशन के दौरान जब नरेंद्र मोदी को गांधी टोपी पहनाने का प्रयास किया गया तो उन्होंने उसे भी अस्वीकार कर दिया।

आखिर कैसे हुई जरदारी जी की सीक्रेट लीक, हक्कानी का ब्लैकबेरी खोलेगा राज!

इस्लामाबाद। अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत हुसैन हक्कानी वाशिंगटन भेजे गए गुप्त संदेश से सम्बंधित जांच में मदद के लिए अपना ब्लैकबेरी फोन देने के लिए तैयार हैं। संदेश में कहा गया था कि राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी सैन्य तख्तापलट को लेकर आशंकित थे। यह जानकारी एक मीडिया रपट में सामने आई है। मीडिया के अनुसार, हक्कानी ने रविवार को जरदारी से मुलाकात कर इस गुप्त संदेश के बारे में उनसे बात की थी। उसके बाद उन्होंने जांच के लिए अपना ब्लैकबेरी फोन सौंपने की इच्छा जाहिर की। पाकिस्तानी व्यापारी मंसूर एजाज ने पिछले महीने आरोप लगाया था कि पाकिस्तान के एक वरिष्ठ राजनयिक ने जरदारी का संदेश तत्कालीन अमेरिकी जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ माइक मुलेन तक पहुंचाने में मदद मांगी थी। एजाज ने आरोप लगाया था कि दो मई को अमेरिकी कार्रवाई में अलकायदा सरगना ओसामा बिन लादेन के मारे जाने के बाद जरदारी को सैन्य तख्तापलट की आशंका थी। एजाज का कहना है कि उनके पास हक्कानी और अमेरिकी सम्पर्क के बीच नौ से 1 मई के बीच हुई कथित फोन काल्स के रिकार्ड मौजूद हैं। गुप्त संदेश के इस मुद्दे से पहले पाकिस्तानी सेना और आईएसआई हक्कानी से इस बात पर नाराज थी कि उन्होंने पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों की जांच के बगैर ही अमेरिकियों को वीजा जारी किए थे। पाकिस्तान रवाना होने से पहले हक्कानी ने पाकिस्तान व अफगानिस्तान में अमेरिका के विशेष प्रतिनिधि मार्क ग्रॉसमैन से मुलाकात की थी।

फर्जी था इशरत एनकाउंटर, पुलिस पर चलेगा हत्या का केस

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने राज्य की मोदी सरकार को करारा झटका दिया है। 24 में हुए इशरत जहां एनकाउंटर को कोर्ट द्वारा गठित एसआईटी ने फर्जी करार दिया। इस रिपोर्ट के आधार पर हाईकोर्ट ने एनकाउंटर में शामिल सभी 21 पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए हैं। पहले से ही सोहराबुद्दीन और कौसर बी की हत्या के आरोप से जूझ रही गुजरात पुलिस के दामन पर ये नया दाग लगा है। सोहराबुद्दीन केस में गुजरात पुलिस के कई आला अफसर जेल की हवा खा रहे हैं। अब इशरत एनकाउंटर को भी फर्जी पाया गया है। इसमें भी तमाम पुलिस अफसर शामिल रहे हैं। अब हाईकोर्ट के आदेश के बाद ये अफसर कोर्ट की कार्रवाई के दायरे में आ गए हैं। उल्लेखनीय है कि मुम्बई की रहने वाली लड़की इशरत जहां एवं अन्य की कथित तौर पर गुजरात पुलिस ने 15 जून 24 को एक फर्जी मुठभेड़ में मार दिया था।

अमेरिका का धोखा, चीन झुका : अमेरिकी सरकार की नजर में पीओके पाकिस्तान का!

नई दिल्ली। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को पाकिस्तान का हिस्सा करार दिया है। पीओके पर भारत कब्जा जताता रहा है और संयुक्त राष्ट्र की नजर में भी यह विवादित क्षेत्र है। लेकिन अमेरिकी विदेश मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर इसे पाकिस्तान का हिस्सा बताया गया है। मंत्रालय की वेबसाइट पर दुनिया के उन सभी देशों का क्रमवार प्रोफाइल और उनका नक्शा दिया गया है जिनके अमेरिका से राजनयिक रिश्ते हैं। इस सूची में भारत का नक्शा भारत के आधिकारिक नक्शे से अलग है। इसमें पीओके पर भारत के दावे को पूरी तरह नकार दिया गया है। अमेरिकी प्रशासन ने इस इलाके को नक्शे पर विवादित क्षेत्र बताने की भी जहमत नहीं उठाई है। उत्तर में अक्साई चीन के मामले में अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने भारत का समर्थन किया है। अमेरिका की नजर में चीन के कब्जे वाले अक्साई चीन इलाके पर भारत का दावा है और नक्शे पर इसकी पुष्टि की गई है। अक्साई चीन इलाके से चीन की सीमा लगती है। केवल पीओके के मामले में ही अमेरिका ने भारत के दावे को नकारते हुए इसे पाकिस्तान का हिस्सा बताया है। जानकारों का मानना है कि पीओके को पाकिस्तान का हिस्सा बताना अमेरिका का पाकिस्तानपरस्त कदम है जबकि गिलगित-बालतिस्तान सहित समूचे पीओके को संयुक्त राष्ट्र विवादित मानता है।

उधर, दक्षिण चीन सागर में वर्चस्व बनाने पर अड़े चीन ने कुछ नरम पड़ने के संकेत दिए हैं। बाली में आसियान शिखर सम्मेलन में भारत सहित अधिकतर एशियाई देशों की ओर से दक्षिण चीन सागर विवाद पर बातचीत के लिए दबाव पड़ने के बाद चीन के रुख में नरमी दिख रही है। चीन ने कहा है कि वह इस विवाद को सुलझाने के लिए एशियाई देशों के साथ मिलकर एक आचार संहिता पर काम करने का इच्छुक है। चीन के प्रधानमंत्री वेन जियाबाओ ने अपने रुख में नरमी के संकेत दिए। बाली में भारत के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने दक्षिण चीन सागर विवाद को सुलझाने के लिए द्विपक्षीय वार्ता पर जोर दिया था लेकिन चीन शुरुआत में इसे मानने को तैयार नहीं था। खनिज संसाधनों से भरपूर इस पूरे समुद्री क्षेत्र पर चीन अपनी संप्रभुता का दावा करता है और उसने अन्य देशों को चेतावनी भी दी है कि वे इस क्षेत्र में दखल न दें जबकि दक्षिण एशिया के अन्य देश वियतनाम, फिलिपींस, ताईवान, मलेशिया और ब्रुनेई अपने आसपास के समुद्री क्षेत्र में अपनी संप्रभुता का दावा करते हैं। वेन ने कहा कि चीन और अन्य एशियाई देशों के बीच दक्षिण चीन सागर को लेकर एक संधि हुई है जिसके तहत इस क्षेत्र में आवाजाही की आजादी में खलल नहीं डाली जा सकती है। हालांकि चीन इस पूरे मसले से अमेरिका को अलग रखना चाहता है। चीन के सहायक विदेश मंत्री लियू झेनमिन ने कहा कि चीन हमेशा इस बात पर जोर देता रहा है कि केवल इस विवाद से जुड़े पक्ष ही सीधी बातचीत के जरिये इस मसले का हल निकालें।

नक्सली रणनीति में फेरबदल

जगदलपुर। माओवादी नक्सली संगठन अबूझमाढ़ इलाके में सेना की उपस्थिति को दखते हुए अपने रणनीति मे फेर बदल कर रहें हैं। ग्रामीणों के दिलों को जीतने के लिए और उनका विश्वास हासिल करने के लिए नक्सली स्वास्थ्य विभाग में गठित मितानीन के तर्ज पर स्वास्थ्य सुविधा मेहैया कराने के लिए माओवादी संगठन गांव-गांव में ग्राम रक्षक दल का गठन किया है। जिसमें अधिकतर महिलांए शामिल हैं। गांव-गांव जाकर ग्रामीणों का उपचार किया जा रहा है। वहीं इस क्षेत्र से लगे सेना के जवान गांव वालों से मिलजुल कर अपना संर्पक सूत्र बढ़ा रहे हैं।

पुलिस को मिली एक रिपोर्ट के अनुसार नारायणपुर जिले के अबूझमाढ़ क्षेत्र में माओवादी नक्सली संगठन गांव-गांव में ग्राम रक्षक दल का गठन किया है। जिसके तहत युवक युवतियां गांव-गांव पहुंच कर अबूझमाढ़ियों का उपचार कर रहें हैं। रक्षक दल के लिए आवश्यक दवाईयों का इंतजाम संबंधित क्षेत्र के कमाण्डर को सौंपी गई है। दवाईयों की कमी को देखते हुए हाल ही में नक्सलियों ने कोहकामेटा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में धावा बोलकर दवाई लूटकर ले गए। दवाई के कमी का अभाव को देखते हुए रक्षक दल देशी पद्धती से उपचार करने की बात सामने आई। गांव-गांव में नक्सली गतिविधियों को मजबूत करने के इरादे से नक्सली मलेरिया, उल्टी दस्त, सर्दी खासी सहित अन्य बीमारियों का भी उपचार कर रहें हैं।

उल्लेखनीय है कि अबूझमाढ़ का यह इलाका 12 सौ 5 वर्ग किलो मीटर फैला हुआ है। दूरस्थ अंचल होने के कारण अंदरूनी इलाके मे। सरकारी सुविधा की स्थिति शून्य है और इसका फायदा माओवादी संगठन उठा रहे हैं। दूसरी ओर सेना के जवान आसपास के इलाकों में ग्रामीणों से बेहतर तालमेल बनांए रखने के लिए उनके बीच पहुंच कर युवक-युवतियों को जंहा पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है वहीं गांव की समस्या का भी निराकरण किया जा रहा है। नारायणपुर अनुविभागीय अधिकारी पुलिस देव नारायण पटेल ने बताया कि नक्सली और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ की स्थिति में नक्सली रक्षक दल की तुकड़ी हमेशा साथ रहते हैं। मुठभेड के दौरान साथियों के घायल होने पर तत्काल उपचार करते हैं।

इधर माओवादी नक्सली संगठन आदिवासियों के तर्ज पर मृतक स्तंम्भ भी बनाया जा रहा है पुलिस गश्त के दौरान नक्सलियों द्वारा बनांए शहीद स्मारक को ध्वस्त कर रही है जिसके चलते नक्सली अपने साथियों के स्मारक को बचाए रखने क लिए अंदरूनी इलाके में शशहीदी स्मारक की सक्ल बदलनी शुरू कर दी है। नक्सलियों का शहीद स्मारक अब आदिवासियों के तर्ज पर बनाया जा रहा है ताकि पुलिस को मृतक स्तंभ और शहीद स्मारक में कोई फर्क नहीं कर पाए। मृतक स्तंभ को तोड़े जाने की सूरत में आदिवासी खुद पुलिस की खिलाफत करने लगेंगें।

बस्तर में आदिवासियों में अपने परिजनों के मौत के बाद उनकी याद में मृतक स्तंभ बनाए जाने की परम्परा है। और दूसरी ओर पुलिस की गोलियों से मारे जाने वाला नक्सली का शहीद स्मारक बनाया जाता है और नक्सलियों के शहीद स्मारक को पुलिस लगातार ध्वस्त करती जा रही है।

सपा ने किया राजभवन मार्च, भाजपा ने भी दी दस्तक

लखनऊ। विधानसभा में सोमवार को जो कुछ हुआ उससे क्षुब्ध प्रमुख विपक्षी दल सपा ने जहां श्राजभवन मार्चश् किया वहीं भाजपा ने भी राजभवन पर दस्तक दे पुनरू सदन आहूत करने की गुहार लगाई। नेता विरोधी दल शिवपाल सिंह यादव के नेतृत्व में विधानसभा से सीधे राजभवन पहुंचे सपा विधायकों ने राज्यपाल से कहा कि सदन की सोमवार की पूरी कार्यवाही असंवैधानिक है, इसलिए उसे निरस्त करें। सपा विधायकों ने मांग की कि विधानसभा का सत्र नये सिरे से बुला कर राज्यपाल स्वयं अथवा अपने द्वारा नामित पर्यवेक्षक की देखरेख में सरकार को बहुमत साबित करने का निर्देश दें। राज्यपाल से कहा गया कि रविवार को ज्ञापन देकर जो आशंका जताई गयी थी वह आज सही साबित हुई। अल्पमत सरकार ने अविश्वास प्रस्ताव से बचने के लिए लेखानुदान और राज्य विभाजन का प्रस्ताव बिना किसी चर्चा के पास करा लिया। लेखानुदान पर उनके मत विभाजन की मांग को स्वीकार नहीं किया गया। राज्य विभाजन तो सोमवार के एजेंडे में शामिल भी नहीं था। शिवपाल ने आरोप लगाया कि बसपा ने आज बाबा साहब अम्बेडकर के संविधान की धज्जियां उड़ा दी। वह जिस तरह से सपा के अविश्वास प्रस्ताव की नोटिस का सामना करने से भागी उससे साफ है कि वह अल्पमत में थी। अगर सरकार के पास बहुमत होता तो वह उसे सदन में साबित न कर देती। भाजपा विधानमंडल दल के नेता ओमप्रकाश सिंह के नेतृत्व में पार्टी विधायकों ने भी राज्यपाल से मिल कर राज्य विभाजन के प्रस्ताव को स्वीकार न करने की गुहार लगाई। भाजपा ने राज्यपाल को सौंपे ज्ञापन में कहा कि उप्र के विभाजन जैसे महत्वपूर्ण विषय पर सभी राजनैतिक दलों का अधिकार है कि वह सदन के अंदर जनता के प्रतिनिधि के रूप में अपने विचार रखे। लेकिन मुख्यमंत्री ने जिस तरह से जबरन यह प्रस्ताव स्वीकृत कराया उससे उनकी मंशा विभाजन के बजाए जनता का ध्यान ज्वलंत मुद्दों से हटाने की रही है। उन्होंने राज्यपाल से मांग की कि वह उक्त प्रस्ताव को स्वीकार न करें। साथ ही प्रदेश सरकार को निर्देश दें कि वह सदन को फिर से बुला कर इस मामले में विस्तार से चर्चा कराने के बाद ही कोई प्रस्ताव पारित कराएं। सपा व भाजपा के नेताओं ने बताया कि उनकी पार्टियों की ओर से सवेरे ही प्रदेश की बसपा सरकार के खिलाफ सदन में अविश्वास प्रस्ताव की अलग-अलग नोटिस दी गयी थी। सदन की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली के नियम 275 के तहत अविश्वास का प्रस्ताव प्रश्नकाल के तुरन्त बाद सदन की अनुज्ञा के लिए प्रस्तुत किया जाना चाहिए था। सदस्य इसकी मांग करते रहे परन्तु विधानसभा अध्यक्ष ने वित्ता मंत्री लालजी वर्मा को लेखानुदान की मांग प्रस्तुत करने के लिए पुकार लिया। विपक्ष के सदस्य विरोध स्वरूप वेल में मांग करते रहे पर उनकी बात अनसुनी कर सारी औपचारिकताएं पूरी कर डाली गयी।

अफस्पा हटवाने को मेरे प्रयास जारी रहेंगे : फारूक अब्दुल्ला

अनंतनाग (जम्मू कश्मीर)। सेना की चिंताओं के समाधान के लिए व्यापक संभावनाएं होने की बात करने के साथ ही जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि राज्य से एएफएसपीए ख्अफस्पा, हटवाने के लिए उनके प्रयास जारी रहेंगे। यहां एक ग्रिड स्टेशन का उद्घाटन करने के बाद एक रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मैं सही रास्ते पर हूं तथा सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम को धीरे-धीरे हटवाने के मेरे प्रयास जारी रहेंगे। जनता से इसकी मंजूरी मांगते हुए उमर ने कहा कि यदि आप एएफएसपीए को हटवाना चाहते हैं तो अपने हाथ खड़े करें। उनके समर्थन में लोगों ने अपने हाथ खड़े किए। उमर ने कहा कि इस मामले में केंद्र का विचार है कि सभी पक्षों, विशेष रूप से सेना के पक्ष को भी शामिल किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हम हमेशा से सभी को साथ लेकर चलना चाहते थे। डीजीपी, अतिरिक्त डीजीपी तथा गृह सचिव समेत एक दल को केंद्रीय गृह मंत्रालय, सेना मुख्यालय तथा रक्षा मंत्रालय से चर्चा के लिए दिल्ली भेजे जाने का फैसला किया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेषांश

एनडीए सांसद अब लिखकर देंगे...

के तमाम नेताओं ने बार-बार यह दोहराया कि भ्रष्टाचार के खिलाफ यात्रा भले खत्म हो गई लेकिन जब तक आम आदमी को राहत नहीं मिलती तब तक संघर्ष जारी रहेगा। इस एलान के साथ ही आडवाणी ने नेतृत्व से संन्यास लेने की रही-सही अटकलों को भी खारिज कर दिया। भाजपा अध्यक्ष नितिन गडकरी ने मजाकिया अंदाज में कहा कि यह तो केवल ट्रेलर था, असली फिल्म बाकी है। सभा में नितिन गडकरी, सुषमा स्वराज, अरुण जेटली, राजनाथ सिंह, जेडी(यू) नेता शरद यादव, शिवसेना के अनंत गीते, आरपीआई के रामदास आठवले और अन्नाद्रमुक सुप्रीमो जयललिता के दूत एम. तंबीदुरै मौजूद थे।

लोकसभा में विपक्ष की नेता सुषमा स्वराज ने कहा कि संसद में आडवाणी के साथ वह और अरुण जेटली यह लड़ाई लड़ते रहेंगे जब कि संसद के बाहर यह मोर्चा गडकरी संभालेंगे। राज्यसभा में विपक्ष के नेता अरुण जेटली का भी कहना था कि यूपीए सरकार में साख का संकट भी है और विश्वसनीयता का भी। एनडीए संयोजक व जदयू अध्यक्ष शरद यादव ने भी समाज के सभी तबकों से आए जनसमूह पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि एनडीए लंबी लड़ाई के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व पर सवाल खड़ा के लिए लोकसभा में विपक्ष की नेता सुषमा स्वराज ने वह शेर दोहराया जो उन्होंने लोकसभा में पढ़ा था। 'मैं बताऊं कि काफिला क्यों लुटा, तेरा रहजनों से था वास्ता। मुझे रहजनों से गिला नहीं, तेरी रहबरी पे मलाल है।' रैली के बाद स्वराज ने यह शेर ट्विटर पर भी पोस्ट किया। याद रहे कि संसद में मनमोहन सिंह ने उनके इस शेर का जवाब भी शेर से ही दिया था। यात्रा के दौरान वे स्वयं एक यात्री बन गए थे। यह यात्रा प्रधानमंत्री की कुर्सी पर उनके दावे को पुनरू मजबूती देने के लिए थी। उन्हें प्रधानमंत्री बनने के अपने मोह को त्याग देना चाहिए। एनडीए या यूपीए नहीं बल्कि वैकल्पिक राजनीतिक गठजोड़ 214 के चुनावों के बाद सत्ता में आएगा। अगले दो साल में यह उभरेगा।

लोकपाल को बनाया शक्तिहीन...

तहत सरकार ने नागरिक संहिता और निचली नौकरशाही को लोकपाल के अधिकार क्षेत्र से बाहर रखने और नागरिकों की शिकायतों का निपटारा करने के लिए एक कमजोर एवं प्रभावहीन विधेयक लाने का प्रस्ताव किया है। बयान में कहा गया है कि स्थाई समिति की चर्चा से बाहर आ रही इस तरह की खबरें चिंता का विषय है। टीम अन्ना ने ग्रुप सी एवं ग्रुप डी कर्मचारियों को लोकपाल के दायरे में लाने की मांग करते हुए कहा कि निचली नौकरशाही को बाहर रखने के कदम का वे सख्त विरोध करेंगे। उन्होंने कहा कि क्या इसका मतलब यह नहीं है कि वे ख्रिचली नौकरशाही, भ्रष्टाचार में लिप्त हो सकेंगे और उनकी जांच कोई एजेंसी नहीं कर सकेगी? कहीं हम उन्हें भ्रष्टाचार में संलिप्त होने का लाइसेंस तो नहीं दे रहे हैं? एक आम आदमी को रोज-रोज ग्रुप सी और ग्रुप डी के कर्मचारियों के पास जाना होता है। भ्रष्टाचार विरोधी उनके आंदोलन में लाखों लोगों ने भाग लिया था और रोज-रोज के इस भ्रष्टाचार से छुटकारा पाना चाहा था। सीबीआई को लोकपाल के नियंत्रण से बाहर रखने के मुद्दे पर टीम अन्ना ने कहा कि एजेंसी के बारे में स्थाई समिति का प्रस्ताव लोकपाल का दायरा और प्रभाव घटाकर महज एक डाकघर में तब्दील कर देगा, जो शिकायतें प्राप्त करेगा, उन्हें सीबीआई के पास भेजेगा, सीबीआई की रिपोर्ट प्राप्त करेगा और उन्हें अदालत के समक्ष पेश करेगा। टीम अन्ना ने न्यायाधीशों की आपरधिक जांच की मांग की, जिसे न्यायिक जवाबदेही विधेयक में भी शामिल नहीं किया गया है। बयान में कहा गया है कि इसे अब लोकपाल में शामिल किया जाना चाहिए।

चीन पर नजर रखेंगे भारत के...

सीमा पर अपने सैनिकों की मौजूदगी बढ़ा दी है। इस महीने के पहले हफ्ते में ऐसी खबर आई कि भारतीय सेना में अगले पांच वर्षों के भीतर एक लाख सैनिकों की बहाली होगी और इन्हें भारत-चीन सीमा पर तैनात किया जाएगा। रक्षा मंत्रालय ने भी करोड़ों रुपये की लागत से तैयार होने वाली सेना के आधुनिकीकरण की योजना को हरी झंडी दे दही है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने इस एलसीएच का डिजाइन तैयार किया है और इन हेलीकॉप्टरों में से एक ने इस साल मार्च में पहली बार उड़ान भरी थी। भारतीय सेना का मानना है कि उसके पास लड़ाकू हेलीकॉप्टरों का बेड़ा होने से ड्रैगन को भारत से भिड़ने से पहले दो बार सोचना होगा। आमतौर पर भारतीय वायुसेना के पास ही लड़ाकू हेलीकॉप्टर हैं लेकिन अब भारतीय सेना ने अपनी हवाई क्षमता को और मजबूत करने का फैसला किया है। भारतीय सेना के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक आला दर्जे के हेलीकॉप्टर पायलटों को इस प्रोजेक्ट पर काम के लिए नियुक्त किया जा चुका है। सेना के एक अधिकारी के मुताबिक, '114 एलसीएच के बेड़े में शामिल होने के बाद हम पूर्वी सरहद पर मिलने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार हो जाएंगे। हमें पता है कि चीन सरहदी इलाकों में अपनी सेनाओं की मौजूदगी बढ़ा रहा है।' इन एलसीएच में एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल तैनात होंगी। भारतीय सेना ने चार नए डिविजन बनाने के अलावा उत्तराखंड और लद्दाख में दो स्वतंत्र आर्मर्ड ब्रिगेड तैनात करने की योजना बनाई है। हालांकि सुरक्षा मामलों पर कैबिनेट की समिति की ओर अभी इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलना बाकी है। दूसरी तरफ, देश की पश्चिमी सरहद पर भी पूरी तरह शांति नहीं है। भारतीय सेना पाकिस्तान से लगती इस सीमा पर किसी तरह का जोखिम नहीं उठाना चाहती है। आए दिन लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी गिरफ्तार होते हैं। पूछताछ के दौरान ये आतंकी कबूल करते हैं कि इन्हें पाकिस्तान में ही ट्रेनिंग मिली है। ऐसे में सेना ने पश्चिमी सेक्टर में हवा से हवा में मार करने वाली और टैंक रोधी मिसाइलें तैनात करने का फैसला किया है।

गोवा में 42वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के लिए तैयारी करते मजदूर।

गोपनीय ज्ञापन से मेरा कोई संबंध नहीं

इस्लामाबाद। अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत हुसैन हक्कानी अपने इस बयान पर डटे हुए हैं कि उनका पूर्व अमेरिकी सेना प्रमुख एडमिरल माइक मुलेन को भेजे गए विवादास्पद ज्ञापन से कोई लेना देना नहीं है, जिसके बारे में कहा जा रहा है कि यह सेना की बगावत की आशंका और उसे रोकने में अमेरिका की मदद पाने के मकसद से भेजा गया था। हक्कानी ने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के साथ राष्ट्रपति आवास में कल हुई दो अनौपचारिक बैठकों के दौरान अपनी स्थिति बता दी है। एक पाकिस्तानी अखबार ने राष्ट्रपति के करीबी सूत्रों के हवाले से यह खबर दी है। दोनों के बीच हुई इस मुलाकात के संबंध में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। राष्ट्रपति के प्रवक्ता फरहतुल्ला बाबर ने कहा कि कल रविवार होने की वजह से किसी आधिकारिक बैठक का कार्यक्रम नहीं था। ऐसी संभावना है कि हक्कानी आज राष्ट्रपति आवास में औपचारिक बैठक के दौरान अपनी स्थिति स्पष्ट करेंगे। इस बैठक में जरदारी, प्रधानमंत्री युसूफ रजा गिलानी, सेना प्रमुख जनरल अशफाक परवेज कियानी तथा आईएसआई प्रमुख मेजर जनरल शुजा पाशा भाग लेंगे। मामले में एक नया मोड़ आ गया है जिसके अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेम्स जोंस ने कहा है कि उन्होंने उस बिचौलिए की भूमिका अदा की जिसने एजाज के लिए ज्ञापन मुलेन तक पहुंचाया। हालांकि जोंस ने कहा है कि ज्ञापन को मुलेन को भेजे जाने के समय वह न तो सरकारी पद पर थे और न ही किसी भी रूप में ओबामा प्रशासन से जुड़े हुए थे। जनवरी 29 से अक्टूबर 21 तक अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे जोंस ने कुछ पाकिस्तानी पत्रकारों को भेजे गए एक ईमेल में कहा था कि जब दस मई को मैंने संदेश एडमिरल मुलेन को भिजवाया तो उस समय मैं सरकार में नहीं था। एजाज ने इस बात की पुष्टि की है कि वह हाल ही में ज्ञापन से जुड़े सुबूत सौंपने के लिए लंदन में आईएसआई प्रमुख से मिले थे। इस बीच, हक्कानी ने कहा है कि वह एजाज के दावों को गलत साबित करने के लिए जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं। हक्कानी का मानना है कि एजाज पाकिस्तान में संकट पैदा करने के लिए उन पर आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी तकनीकी सुबूत जाली हैं और वह सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की अगुवाई में होने वाली जांच का सामना करने के लिए तैयार हैं। एक पाक दैनिक ने हक्कानी के हवाले से कहा है कि जब वह ओसामा बिन लादेन के खिलाफ हमले के बाद अमेरिका में पाकिस्तानी सेना का बचाव कर रहे थे तो उस समय एजाज ने आईएसआई को एक आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया। हक्कानी ने कहा कि उनके परिवार ने सशस्त्र बलों में अपनी सेवाएं दी हैं और पाकिस्तान के हितों की रक्षा की है। उन्होंने कहा कि आरोपों की जांच होनी चाहिए। जांच इस मुद्दे की पृष्ठभूमि को साबित करेगी।

हक्कानी ने कहा कि एजाज एक अमेरिकी नागरिक हैं। वह पाकिस्तान के हितों की रक्षा कैसे कर सकते हैं। मैं इस बात का फैसला राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री पर छोड़ता हूं कि एक संदिग्ध व्यक्ति की कहानी कैसे सही हो सकती है। उन्होंने कहा कि मंसूर एजाज ने मीडिया में कई साक्षात्कार दिए जिससे यह समझ आ जाना चाहिए कि वह नागरिक और सैन्य प्रशासन के बीच भ्रम की स्थिति पैदा करने के साथ ही पाकिस्तान तथा अमेरिकी संबंधों में और तनाव पैदा करना चाहते हैं।

टोक्यो में जापान-इराक औद्योगिक सहयोग सम्मेलन के दौरान इराकी प्रधानमंत्री नूरी अल-मलीकी। अल-मलीकी इस समय चार दिवसीय यात्रा पर जापान में है।

थाईलैंड की राजधानी बैंकाक के कुछ हिस्सों में बाढ़ का प्रकोप समाप्त हो गया है। शहर के मुख्य सड़क की सफाई करते स्वयंसेवक। बाढ़ से 6 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

तैयार होने में महिलाओं से ज्यादा समय लेते हैं पुरूष

लंदन। तैयार होने में ज्यादा समय लगाने के ताने सुन सुनकर तंग आ चुकीं महिलाओं को यह अध्ययन खुश कर देने वाला है। इसके अनुसार पुरूषों को तैयार होने में महिलाओं से ज्यादा समय लगता है। इस अध्ययन से मालूम हुआ कि तैयार होने में दरअसल पुरूष महिलाओं से कहीं ज्यादा समय लगाते हैं। उन्हें नहाने धोने, शेव करने, बाल बनाने, कपड़े चुनने में औसतन हर रोज 81 मिनट लगते हैं, जबकि महिलाएं अपने इसी तरह के काम सिर्फ 75 मिनट में पूरे कर लेती हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि पुरूषों को नहाने में 23 मिनट लगते हैं, जबकि महिलाएं यह काम 21 मिनट में कर लेती हैं। पुरूषों को शेव बनाने में 18 मिनट लगते हैं, जबकि महिलाएं अपने अनचाहे बाल सिर्फ 14 मिनट में हटा लेती हैं। पुरूषों को सौंदर्य प्रसाधन लगाने में महिलाओं से एक मिनट ज्यादा यानी 1 मिनट लगते हैं। खुद को बेहतरीन दिखाने के फिक्रमंद पुरूष अपने कपड़ों के चुनाव में भी 13 मिनट लगाते हैं, जबकि महिलाएं इस काम को 1 ही मिनट में निपटा लेती हैं।

ब्रिटेन में इस अध्ययन से एक और रोचक तथ्य प्रकाश में आया। वहा एक औसत वयस्क अपने सौंदर्य प्रसाधन बैग में रखी सामग्री पर किए गए खर्च से नावाकिफ हैं। लोगों से इस बारे में पूछा गया कि उनके सौंदर्य प्रसाधन बैग में क्या सामग्री है और उन्होंने उसपर कितना धन खर्च किया है। जवाब के आधार पर इस खर्च का औसत 52.23 पाउंड आया, जबकि वास्तव में उनके प्रसाधन बैग में इससे तीन गुना अधिक कीमत 156.69 पाउंड का सामान मिला। होटलों में अपने प्रसाधन बैग छोड़ देने वाले लोगों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। 487 होटलों में पिछले 12 महीने में होटल कर्मचारियों ने 1 हजार प्रसाधन बैग को उनके मालिकान तक पहुंचाया। एक मामले में तो एक महिला अपना प्रसाधन बैग वापस पाकर इतनी खुश हो गई कि उसने उसे पहुंचाने वाले कूरियर ब्वाय को एक सौ पाउंड ज्यादा दिए। महिला अपना बैग लंदन के एक होटल में भूल गई थी और उसमें एक हजार पाउंड से अधिक के सौंदर्य प्रसाधन थे।

अलकायदा से सहानुभूति रखने वाला अमेरिकी गिरफ्तार

न्यूयॉर्क। इराक और अफगानिस्तान से घर लौटने वाले सुरक्षा बलों पर अमेरिका में हमले की साजिश रचने वाले एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया गया है। 27 साल का यह शख्स अल कायदा से सहानुभूति रखता है। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि मैनहट्टन के जोस पिमेंटल को न्यूयॉर्क में गिरफ्तार किया गया है। इसके खिलाफ आतंकी गतिविधियों के मकसद से बम बनाने और बम रखने के आरोप लगे हैं।शहर के मेयर माइकल ब्लूमबर्ग ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि पिंमेटल को कथित तौर पर पाईप बम बनाने की जानकारी अल-कायदा के समर्थन करने वाली पत्रिका से मिली। इस पत्रिका का प्रकाशन कट्टर धार्मिक नेता अनवर-अल-अवाकी करते थे।

अवाकी की सितंबर महीने में यमन में अमेरिकी ड्रोन हमले में मौत हो गई थी। मेयर का कहना था कि संदिग्ध ने जो विस्फोटक बनाया था उसी की नकल कर एक ऐसा ही विस्फोटक तैयार किया और वीडियोटेप में इसी बम से एक अज्ञात कार उड़ाई गई है। अदालत में पेश किए गए दस्तावेजो के मुताबिक पिमेंटल पर साल 2`9 से ही निगरानी रखी जा रही थी और उस पर आतंकवादी गतिविधि से संबंधित तीन मामलों और अन्य दो मामलों में आरोप लगे थे।

एजाज का गुप्त ज्ञापन मैंने मुलेन को दिया था

इस्लामाबाद। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेम्स जोंस ने कहा है कि उन्होंने तत्कालीन सैन्य प्रमुख माइक मुलेन को वह गुप्त ज्ञापन सौंपा था जिसका मसौदा व्यवसायी मंसूर एजाज ने कथित रूप से पाकिस्तान सरकार की तरफ से तैयार किया था। जोंस ने पाकिस्तानी मीडिया के साथ बातचीत में इस बात की पुष्टि की कि उन्हें पाकिस्तानी-अमेरिकी व्यवसायी से ज्ञापन मिला था और उन्होंने इसे मई में मुलेन को सौंप दिया था। एजाज ने दावा किया है कि उन्होंने इस ज्ञापन का मसौदा अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत हुसैन हक्कानी के कहने पर तैयार किया था। हक्कानी ने इस आरोप को खारिज कर दिया है। हालांकि जोंस ने कहा कि जिस समय उन्होंने यह ज्ञापन सौंपा उस समय वह अमेरिकी सरकार के अधिकारी पद पर नहीं थे और न न ही ओबामा प्रशासन से किसी भी तरह से जुड़े थे। जनवरी 29 से अक्टूबर 21 तक ओबामा के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे जोंस ने कहा, जब मैंने यह संदेश 1 मई को एडमिरल मुलेन को सौंपा था उस समय मैं सरकार का हिस्सा नहीं था। जोंस ने आगे कहा कि मध्यस्थ के रूप में अपनी भूमिका की उन्होंने चार दिन पहले ही द फाइनेंशियल टाइम्स के साथ पुष्टि कर दी थी। एजाज ने पिछले महीने दावा किया था कि उन्होंने ओसामा बिन लादेन की मौत के बाद सैन्य तख्ता पलट की आशका को रोकने के लिए मुलेन को एक ज्ञापन सौंपा था, तभी से इस मेमोगेट विवाद के केंद्र में हक्कानी बने हुए हैं। हालाकि एजाज ने दावा किया है कि उन्होंने हक्कानी के निर्देश पर ज्ञापन का मसौदा तैयार किया था फिर भी राजदूत ने कहा है कि ज्ञापन का मसौदा तैयार करने या मुलेन को ज्ञापन सौंपे जाने में उनकी कोई भूमिका नहीं है। ज्ञापन पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने के लिए सरकार की ओर से वापस बुलाए जाने के बाद हक्कानी कल इस्लामाबाद आए। रवाना होने से पहले वाशिगटन में हक्कानी ने कहा था कि वह पाकिस्तान की एक संसदीय समिति के समक्ष उपस्थित होंगे जिसके अध्यक्ष एक धार्मिक विद्वान और सासद हैं। ऐसी खबरें आ रही हैं कि पाकिस्तान की शक्तिशाली सेना, कमजोर असैनिक सरकार पर हक्कानी को पद से हटाने के लिए दबाव डाल रही है।

जरदारी मुश्किल में, पत्र की पुष्टि

इस्लामाबाद। अलकायदा सरगना ओसामा बिन लादेन की मौत के बाद सैन्य तख्तापलट की आशंका को लेकर पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी द्वारा अपनी सेना के खिलाफ अमेरिकी मदद मांगने के मामले में नया मोड़ आ गया है।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेम्स जोंस का कहना है कि उन्होंने ही तत्कालीन सैन्य प्रमुख माइक मुलेन को वह गोपनीय पत्र सौंपा था, जिसका मसौदा व्यवसाई मंसूर एजाज ने पाकिस्तान सरकार की तरफ से तैयार किया था। उल्लेखनीय है कि एजाज ने पिछले दिनों फाइनेंशियल टाइम्स में लिखे लेख में इस पत्र का रहस्योद्घाटन किया था। इसमें कहा गया है जरदारी ने ओबामा प्रशासन से संपर्क कर मांग की थी कि सेना प्रमुख जनरल अशफाक कियानी को तख्ता पलट करने से रोका जाए। एजाज का दावा है कि पाकिस्तान में अमेरिका के राजदूत हुसैन हक्कानी के कहने पर उसने जरदारी की तरफ से पूर्व अमेरिकी सेना प्रमुख माइक मुलेन को पत्र पहुंचाया था।

हालांकि हक्कानी ने इसका खंडन किया है। फिलहाल वे इस मामले पर सफाई देने के लिए इस्लामाबाद में हैं। जोंस ने कहा कि एजाज से मिले गुप्त पत्र को मैंने ही दस मई को मुलेन को सौंपा था।

जनवरी, 2`9 से अक्टूबर, 21 तक ओबामा के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे जोंस ने पाकिस्तानी मीडिया को भेजे ई-मेल में लिखा,यह पत्र जब मैंने मुलेन को सौंपा था उस समय मैं किसी सरकारी पद पर नहीं था। न ही ओबामा प्रशासन ने जुड़ा था। जोंस ने कहा कि मध्यस्थ के रूप में अपनी भूमिका की उन्होंने चार दिन पहले ही समाचार पत्र श्द फाइनेंशियल टाइम्सश् के साथ पुष्टि कर दी थी।

आतंकियों के साथ संघर्ष में चार सुरक्षाकर्मियों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में सोमवार संदिग्ध आतंकियों के साथ संघर्ष में अर्धसैनिक बल के चार सदस्य मारे गए। अधिकारियों के अनुसार लोरलई इलाके में फ्रंटियर कोर के सदस्यों और संदिग्ध आतंकियों के बीच गोलीबारी हुई। सुरक्षा बल क्षेत्र में तलाशी अभियान चला रहे थे। टीवी चनलों ने अधिकारियों का हवाला देते हुए बताया कि अर्धसैनिक बल के चार सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई।

अल कायदा का हमदर्द युवक गिरफ्तार

न्यूयार्क। अमेरिका में अल कायदा के प्रति सहानुभूति रखने वाले 27 साल के एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। उस पर अफगानिस्तान एवं इराक से स्वदेश लौटे सैनिकों और पुलिस को निशाना बनाकर आतंकवादी हमलों की साजिश रचने का आरोप है। मैनहैट्टन में वाशिंगटन हाइट्स इलाके में रहने वाले जोस पिमेंटल पर आतंकवादी हमलों के लिए बम बनाने और एक बम रखने का भी आरोप है। उसे शनिवार को यहां के एक अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया। न्यूयॉर्क के मेयर माइकल ब्लूमबर्ग ने डोमिनिकन रिपब्लिक के रहने वाले पिमेन्टल की गिरफ्तारी की यहां घोषणा की। ब्लूमबर्ग ने बताया, पिमेंटल को न्यूयॉर्क शहर के एक अपार्टमेंट से शनिवार को गिरफ्तार किया गया। वह अल कायदा का हमदर्द है, जो पुलिस, डाक प्रतिष्ठानों और विदेश से लौटे हमारे सुरक्षा बलों को निशाना बनाने की साजिश रच रहा था। वह पाइप बम का इस्तेमाल करने वाला था। उन्होंने कहा, यह संदिग्ध कथित तौर पर अकेले ही साजिश रच रहा था। वह इराक और अफगानिस्तान में अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी को लेकर नाराज था और अल कायदा के दुष्प्रचार से भी खासा प्रभावित था। वह विदेश से रची जाने वाली किसी बड़ी साजिश का हिस्सा नहीं है। न्यूयॉर्क के मेयर ब्लूमबर्ग ने कहा, यह संदिग्ध उसी तरह का खतरा पैदा करने वाला था, जिसके प्रति हमारे सुरक्षा अधिकारियों ने आगाह किया था। अमेरिकी सेना ने अल कायदा की क्षमता को ध्वस्त कर दिया है कि वह बड़े हमलों को अंजाम दे सके। पुलिस आयुक्त रे केली ने बताया, पिमेंटल डोमिनकन रिपब्लिक मूल का बेरोजगार युवक है। वह अमेरिकी नागरिक है। उस पर 29 से ही नजर रखी जा रही थी। केली ने कहा कि पिमेंटल अपना नाम बदलना चाहता था। वह अपने दो कथित आदर्शों अल कायदा सरगना ओसामा बिन लादेन और इराक के पूर्व राष्ट्रपति सक्षम हुसैन के नामों को मिलाकर अपना नाम ओसामा हुसैन रखने पर विचार कर रहा था।

नेपाल में संविधान सभा के कार्यकाल को लेकर खींचतान

काठमांडो। नेपाल के सांसद अपनी संविधान सभा का कार्यकाल और छह महीने के लिए बढ़ाने के विषय पर मतदान करने के लिए गुरुवार को बैठक करने वाले हैं। उधर, पूर्व प्रधानमंत्री एवं सीपीएन-यूएमएल के नेता झालानाथ खनल चाहते हैं कि मौजूदा प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टाराई पहले इस्तीफा दें, ताकि एक आमराय सरकार के लिए मार्ग प्रशस्त हो सके।

तीन मुख्य सचेतकों ख्यूसीपीएन- माओवादी के देव प्रसाद गुरुंग, नेपाली कांग्रेस के लक्ष्मण घिमिरे और सीपीएन-यूएमएल के भीम आचार्य, की संविधान सभा के अध्यक्ष सुभाष नेमबांग के साथ हुई बैठक में बृहस्पतिवार को मतदान का कार्यक्रम रखने पर सहमति बनी। वहीं, दूसरी ओर देश की बड़ी राजनीतिक पार्टियां अभी तक यह फैसला नहीं कर पाई हैं कि संविधान सभा के कार्यकाल को बढ़ाने के सरकार के प्रस्ताव का समर्थन किया जाए या नहीं? गौरतलब है कि इसका कार्यकाल नवंबर के अंत में समाप्त हो रहा है। यूएमएल पार्टी के दोनों ही प्रधानमंत्रियों ख्माधव कुमार नेपाल और झाला नाथ खनल, को संविधान सभा के कार्यकाल में पूर्व में की गई बढ़ोतरी का मार्ग प्रशस्त करने के लिए अपने-अपने पदों से इस्तीफा देना पड़ा था। वहीं, खनल ने पिछले हफ्ते पार्टी की स्थाई समिति की बैठक में एक ऐसा ही प्रस्ताव रखा था, जिसके जरिए संविधान सभा के कार्यकाल में बढ़ोतरी के सरकार के कदम का समर्थन करने के लिए माओवादी नेता बाबू राम भट्टाराई से इस्तीफे की मांग की गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को एक आमराय सरकार का मार्ग प्रशस्त करने के लिए इस्तीफा दे देना चाहिए।

अमेरिकी समझौते के विरोध में सड़कों पर अफगानी

काबुल। अफगानिस्तान में अमरिकी सैनिकों के लंबे समय तक रुकने संबंधी एक समझौते के विरोध में 3` से अधिक अफगानी नागरिकों ने विरोध प्रदर्शन किया।

अफगानिस्तान में शनिवार को समाप्त हुए एक सम्मेलन में अमेरिकी सैनिकों के ज्यादा समय तक यहां रहने को लेकर एक समझौते को 'लोया जिरगा' ने मंजूरी दी थी। सम्मेलन में करीब 2` कबायली नेताओं ने हिस्सा लिया था। पूर्वी अफगानिस्तान के नांगरहार प्रांत की राजधानी में लोगों ने प्रदर्शन किया और अमेरिका ओर करजई सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वर्ष 214 के आखिर सभी देशों के सुरक्षाबल अफगानिस्तान की सुरक्षा की जिम्मेदारी अफगान सेना और पुलिस को सौंपकर लौट सकते हैं।

वर्ष 213 तक शासन करेंगे मोंटी

रोम। इटली के पूर्व प्रधानमंत्री सिल्वियो बर्लुस्कोनी का कहना है कि नए प्रधानमंत्री मारियो मोंटी के नेतृत्व वाली नई सरकार साल 213 में अगले संसदीय चुनाव होने तक शासन करेगी। समाचारों के मुताबिक बर्लुस्कोनी ने रविवार को कहा कि संसदीय चुनावों में न तो मोंटी और न ही उनके मंत्री उम्मीदवार होंगे। बर्लुस्कोनी ने श्कॉरिएर डेला सेराश् समाचार पत्र से कहा कि हमने उनसे व उनके मंत्रियों से कहा है कि वे अगले चुनावों में खुद को उम्मीदवारों के रूप में पेश करने की बजाय खुद को सार्वजनिक प्रतिबद्धता से जोड़े। यूरोपीय संघ के पूर्व आयुक्त मोंटी 16 नवंबर को प्रधानमंत्री के रूप में नियुक्त किए गए थे। इससे पहले 75 वर्षीय बर्लुस्कोनी ने अपना इस्तीफा दे दिया था। इटली को 1.9 खरब यूरो के कर्ज से उबारने के लिए यूरोपीय संघ द्वारा सुझाए गए मितव्ययता के नए उपायों को संसद द्वारा मंजूरी दिए जाने के बाद बर्लुस्कोनी ने इस्तीफा दे दिया था। बर्लुस्कोनी पीपल ऑफ फ्रीडम पार्टी के नेता है, इस पार्टी का संसद में सबसे ज्यादा प्रतिनिधित्व है। बर्लुस्कोनी ने कहा है कि यदि मोंटी उन्हे सहयोग दे रही पार्टियों के तय कार्यक्रम से अलग कदम उठाते है तो वह आगे नहीं बढ़ सकेंगे।

म्यांमार में फंड जुटाने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करती हुई म्यांमार की लोकतंत्र समर्थक नेता आंग सान सू की।

टीम का ध्यान नतीजे की जगह प्रदर्शन पर : लक्ष्मण

मुंबई। सीनियर बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने कहा कि वे वेस्टइंडीज के खिलाफ मौजूदा टेस्ट सीरीज में 3-` की जीत दर्ज करने को लेकर उत्साहित हैं लेकिन टीम का ध्यान नतीजे के बारे में सोचने की जगह अपनी क्षमता के मुताबिक सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने पर ही रहेगा।

वेस्टइंडीज के खिलाफ मंगलवार से शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट से पूर्व लक्ष्मण ने संवाददाताओं से कहा कि निश्चित तौर पर हम सीरीज 3-` से जीतना चाहते हैं। यह हमारा लक्ष्य है, लेकिन अपनी क्षमता के मुताबिक खेलना और कड़ी मेहनत करना काफी अहम है विशेषकर कोलकाता में दूसरी पारी में वेस्टइंडीज ने जिस तरह का खेल दिखाया उसके बाद।

उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान प्रदर्शन पर रहेगा और अगर अंत में हम मैच जीत जाते हैं तो यह हमारे लिए शानदार रहेगा। वेस्टइंडीज ने नई दिल्ली में पहला टेस्ट पांच विकेट जबकि कोलकाता में दूसरा टेस्ट पारी और 15 रन से गंवा दिया था। लक्ष्मण ने कोलकाता में 176 रन की पारी खेली थी। क्यूरेटर सुधीर नाइक ने वानखेड़े स्टेडियम की पिच को जीवंत विकेट करार दिया है लेकिन 129 टेस्ट खेल चुके लक्ष्मण इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे कि वेस्टइंडीज किस संयोजन के साथ मैदान पर उतरेगा।

बीमार धौनी ने नहीं किया अभ्यास

मुंबई। भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धौनी ने तबीयत खराब होने के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ मंगलवार से शुरू हो रहे तीसरे और आखिरी टेस्ट से पहले अभ्यास नहीं किया लेकिन उनके कल खेलने की उम्मीद है। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने मैच की पूर्व संध्या पर प्रेस कांफ्रेंस में पत्रकारों से कहा कि धौनी ने फिजियोथेरेपिस्ट (दक्षिण अफ्रीका के इवान स्पीचली) को बताया कि उनकी तबीयत ठीक नहीं है और इसी वजह से उन्होंने अभ्यास नहीं किया। यह पूछने पर कि क्या धौनी कल खेलेंगे तो लक्ष्मण ने कहा कि फिजियो से पूछिये। टीम सूत्रों ने हालांकि बताया कि धौनी को डाक्टर की जरूरत नहीं पड़ी है और वह कल खेल सकते हैं। सूत्रों ने कहा कि उनसे पूछा गया था कि क्या डाक्टर को बुलाया जाए तो उन्होंने ना में जवाब दिया। उनकी पत्नी साक्षी यहां है। वह कल खेलेंगे। भारतीय टीम के पास दूसरा नियमित विकेटकीपर भी नहीं है हालांकि राहुल द्रविड़ वनडे क्रिकेट में विकेटकीपिंग करते रहे हैं।

हंपी की बाजी ड्रा, यिफान से 2-3 से पिछड़ी

तिराना (अलबानिया)। ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी को महिला विश्व शतरंज चैंपियनशिप के पांचवें राउंड में गत चैंपियन यिफान होऊ के खिलाफ ड्रा से संतोष करना पड़ा। हंपी का यह चौथा ड्रा है।

दस गेम की इस चैंपियनशिप में एक हार और चार ड्रा से यह भारतीय यिफान से पूरे एक अंक से 2-3 से पिछड़ रही है। लेकिन हंपी को छठी बाजी में सफेद मोहरों से खेलने का फायदा मिलेगा और अगले पांच मैचों में तीन में उन्हें सफेद माहरों से खेलने का मौका मिलेगा। अगर दोनों बराबरी पर रहती हैं तो 2` यूरो ईनामी राशि की चैंपियनशिप के विजेता का निर्णय छोटी-छोटी बाजियों से किया जाएगा।

आनंद ने क्रामनिक से खेला ड्रा

मास्को। विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने ताल मेमोरियल शतरंज टूर्नामेंट के पांचवें दौर में रूस के व्लादिमीर क्रामनिक के साथ ड्रा खेला। लगातार पांचवें ड्रा के साथ आनंद साल के सबसे कड़ी प्रतिस्पर्धा वाले टूर्नामेंट में ढाई अंक जुटाकर संयुक्त पांचवें स्थान पर चल रहे हैं।

लगातार दूसरे दिन सभी मैच बराबरी पर छूटे। यूक्रेन के वैसिली इवानचुक ने दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नार्वे के मैग्नस कार्लसन के साथ ड्रा खेला जबकि अमेरिका के हिकारू नाकामूरा ने आर्मेनिया के लेवोन अरोनियन को बराबरी पर रोका। रूस के सर्जेई कर्जाकिन और उनके हमवतन पीटर स्विडलर की बाजी भी बराबरी पर छूटी जबकि इस्राइल के बोरिस गलफेंड और रूस के इयान नेपोमनियाचती ने भी अंक बांटे। आरोनियन, कार्लसन, कर्जाकिन और नेपोमनियाचती तीन-तीन अंक जुटाकर शीर्ष पर चल रहे हैं जबकि आनंद, इवानचुक और स्विडलर इनसे आधा अंक पीछे संयुक्त पांचवें स्थान पर हैं।

रियाज को पाक टीम में जगह नहीं

लाहौर। पाकिस्तानी चयनकर्ताओं ने बांग्लादेश के खिलाफ आगामी सीरीज के लिए बाएं हाथ के तेज गेंदबाज वहाब रियाज को टीम से बाहर कर दिया है। रियाज का नाम लंदन में इस महीने की शुरुआत में स्पाट फिक्सिंग मामले की सुनवाई के दौरान आया था।

मोहम्मद इलियास की अध्यक्षता वाली चयन समिति ने श्रीलंका के खिलाफ खेलने वाली टेस्ट टीम में एक ही बदलाव किया है। रियाज की जगह 26 नवंबर से शुरू हो रही सीरीज में युवा तेज गेंदबाज मोहम्मद ताल्हा को जगह मिली है। वनडे टीम में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। विकेटकीपर कामरान अकमल फिर टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे हैं। मिसबाह उल हक की कप्तानी बरकरार रखी गई है, जिन्होंने टीम को श्रीलंका पर टेस्ट और वनडे सीरीज में जीत दिलाई।

राजविंदर कौर ने रचाई शादी

कुरुक्षेत्र। भारत की अंतरराष्ट्रीय हाकी खिलाड़ी राजविंदर कौर ने कुरुक्षेत्र से 25 किलोमीटर दूर शाहबाद में रविवार को चंडीगढ़ के इंजीनियर गुरविंदर सिंह से शादी कर ली। शाहबाद राजविंदर का गृहनगर है और गुरविंदर समीप के ही नंगला गांव का रहने वाला है और चंडीगढ़ में इंजीनियर के तौर पर काम करता है। राजविंदर की शादी में पूर्व महिला हाकी कोच बलदेव सिंह और एमके कौशिक, ओलंपियन संजीव डांग, गुरदीप सिंह भुल्लर, पूर्व महिला हाकी कप्तान संदीप कौर और अन्य अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मेहमान के तौर पर पहुंचे।

विश्व कप 215 के सीईओ बने हार्नडेन

दुबई। मेलबर्न राष्ट्रमंडल खेल 26 के पूर्व कार्यकारी जान हार्नडेन को सोमवार को विश्व कप क्रिकेट 215 की स्थानीय आयोजन समिति का सीईओ बनाया गया। आईसीसी ने एक बयान में कहा कि आईसीसी क्रिकेट विश्व कप 215 की स्थानीय आयोजन समिति के अध्यक्ष जेम्स स्ट्रांग ने घोषणा की कि जान हार्नडेन को टूर्नामेंट की स्थानीय आयोजन समिति का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया गया है। विश्व कप 215 का आयोजन आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड करेंगे। हार्नडेन दक्षिण आस्ट्रेलिया क्रिकेट संघ के मुख्य कार्यकारी हैं। एडीलेड यूनिवर्सिटी से इंजीनियरिंग करने वाले हार्नडेन ने हावर्ड बिजनेस स्कूल से मैनेजमेंट की डिग्री ली थी। वह 27 में आर्डर आफ आस्ट्रेलिया के सदस्य रहे। फिलहाल वह आस्ट्रेलियाई ग्रांप्री कारपोरेशन के उपाध्यक्ष हैं।

अस्थाई तौर पर जहीर को मिल सकती है जगह

मुंबई। भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुवा जहीर खान को राष्ट्रीय क्रिकेट चयनकर्ता आस्ट्रेलियाई दौरे के लिए अस्थाई तौर पर टीम में जगह दे सकते हैं। चयनकर्ता 26 दिसंबर से शुरू हो रही चार टेस्ट मैचों की सीरीज की टीम का चयन करने के लिए 26 नवंबर को बैठक करेंगे।

नतीजे नहीं प्रदर्शन पर रहता है टीम का ध्यान

मुंबई में प्रैक्टिस सेशन के दौरान नेट्स पर बल्लेबाजी का अभ्यास करते मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर।

मुंबई। पहले दो टेस्ट मैच वेस्टइंडीज को आसानी से मात दे चुकी टीम इंडिया के सीनियर बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण का मानना है कि टीम का ध्यान मैच के नतीजे नहीं बल्कि प्रदर्शन पर रहता है। साथ ही लक्ष्मण ने भरोसा जताया है कि तेज गेंदबाज जहीर खान जल्द हींब फिट होकर टीम से जुड़ेंगे।

वेस्टइंडीज के खिलाफ मंगलवार से शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट से पूर्व लक्ष्मण ने कहा कि निश्चित तौर पर हम सीरीज 3-` से जीतना चाहते हैं। यह हमारा लक्ष्य है। लेकिन अपनी क्षमता के मुताबिक खेलना और कड़ी मेहनत करना काफी अहम है विशेषकर कोलकाता में दूसरी पारी में वेस्टइंडीज ने जिस तरह का खेल दिखाया उसके बाद। उन्होंने कहा कि हमारे ध्यान प्रदर्शन पर रहेगा और अगर अंत में हम मैच जीत जाते हैं तो यह हमारे लिए शानदार रहेगा। वेस्टइंडीज ने नई दिल्ली में पहला टेस्ट पांच विकेट जबकि कोलकाता में दूसरा टेस्ट पारी और 15 रन से गंवा दिया था। लक्ष्मण ने कोलकाता में 176 रन की पारी खेली थी। लक्ष्मण ने कहा कि विकेट अच्छा लग रहा है लेकिन मैं विरोधियों का काफी आकलन नहीं करता। अगर हम अपनी क्षमता के मुताबिक खेलते हैं और रणनीति को सही अंजाम देते हैं तो मुझे पूरा भरोसा है कि नतीजा हमारे पक्ष में होगा।

हम इस बात पर ध्यान लगाना चाहते हैं कि हम अपने मजबूत पक्षों के मुताबिक किस तरह खेलते हैं। अगर हम ऐसा करते हैं तो हमें सफलता मिलेगी। मध्यक्रम के इस बल्लेबाज ने कहा कि पहले दो टेस्ट के नतीजे से वेस्टइंडीज टीम की क्षमता की असली तस्वीर साफ नहीं होती। उन्होंने कहा कि नतीजे जाहिर करते हैं कि वेस्टइंडीज ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। लेकिन प्रत्येक सत्र में उनका प्रदर्शन काफी अच्छा रहा। अंत में हम 2-` से आगे चल रहे हैं लेकिन मुझे लगता है कि उनकी टीम काफी अच्छी है। लक्ष्मण ने वेस्टइंडीज के बल्लेबाज डेरेन ब्रावो की भी तारीफ की जिन्होंने कोलकाता में दूसरी पारी में शतक जड़ा था।

उन्होंने कहा कि आप देखिए पिछले मैच में जिस तरह ब्रावो खेला। किर्क एडवर्ड्स डोमीनिका (पदार्पण मैच में शतक बनाया) में हमारे खिलाफ खेला, चंद्रपाल बेशक लंबे समय से वेस्टइंडीज का अहम खिलाड़ी है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोग वेस्टइंडीज की इस टीम को अधिक तवज्जो नहीं दे रहे। लक्ष्मण ने कहा कि वह वानखेड़े स्टेडियम में शतक जड़ना चाहते हैं क्योंकि 15 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर के दौरान वह इस मैदान पर कभी शतक नहीं बना पाए हैं।

भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुवा जहीर खान को कल टीम के साथ ट्रेनिंग करते हुए देखा गया और लक्ष्मण का मानना है कि इस सीनियर तेज गेंदबाज की वापसी के बाद उनका गेंदबाजी आक्रमण अधिक संतुलित हो जाएगा। सचिन तेंदुलकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 1वें शतक से एक कदम दूर है और ऐसे समय में लक्ष्मण ने कहा कि यह स्टार बल्लेबाज किसी उपलब्धि के करीब हो या नहीं उनके जज्बे में कोई फर्क नहीं पड़ता। लक्ष्मण ने जहीर के बारे में कहा कि मुझे लगता है कि उसने शानदार प्रगति की है। मैं उसके फिजियो से बात कर रहा था जिसने कहा कि उसे एक सप्ताह से दस दिन का समय लगेगा। मुझे लगता है कि वह बहुत मेहनत कर रहा है। उन्होंने कहा कि उसने काफी वजन भी घटाया है। यह अच्छा संकेत है। वेस्टइंडीज के खिलाफ नहीं खेल रहे जहीर की आस्ट्रेलिया दौरे के लिए वापसी की संभावना है।

क्लीन स्वीप के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

मुंबई। पहले दो टेस्ट में आसान जीत के बाद पहले ही सीरीज अपने नाम कर चुका भारत मंगलवार से वानखेड़े स्टेडियम में शुरू हो रहे तीसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ क्लीनस्वीप के इरादे से उतरेगा।

इस बीच सभी की नजरें एक बार फिर सचिन तेंदुलकर पर टिकी होंगी जो अंतरराष्ट्रीय शतकों का शतक पूरा करने से सिर्फ एक कदम दूर हैं। पहले दो टेस्ट में यह मौका गंवाने के बाद तेंदुलकर अपने घरेलू मैदान पर यह उपलब्धि हासिल करना चाहेंगे।

नागपुर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्वकप के दौरान 12 मार्च को 99वां शतक जड़ने के बाद से तेंदुलकर को इस उपलब्धि का इंतजार है। दूसरी तरफ अगर वेस्टइंडीज को अंतिम टेस्ट जीतकर पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज से पहले मनोबल बढ़ाना है तो उसे खेल के हर विभाग में अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा।

मेहमान टीम के बल्लेबाजों ने कोलकाता में दूसरे टेस्ट में अपनी दूसरी पारी के दौरान अपनी क्षमता का नजारा पेश किया था और पहली पारी में बेहद लचर प्रदर्शन के बावजूद पारी की हार को लगभग टाल दिया था। डेरेन ब्रावो (136) और मार्लन सैमुअल्स (84) ने प्रज्ञान ओझा और आर अश्विन की स्पिन जोड़ी के खिलाफ जिस तरह की बल्लेबाजी की उससे मेहमान टीम का मनोबल बढ़ा होगा।

एड्रियन बराथ और किर्क एडवर्डस भी अर्धशतक जमाने में सफल रहे थे जिससे वेस्टइंडीज को अंतिम टेस्ट में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। अनुभवी बल्लेबाज शिवनरायण चंद्रपाल ने पिंडली की चोट के कारण रविवार को अभ्यास सत्र में हिस्सा नहीं लिया था। उनके हालांकि मंगलवार के मैच में खेलने की संभावना है।

चंद्रपॉल टीम के अहम बल्लेबाज हैं और भारतीय पिचों पर देर से शॉट खेलने की उनकी क्षमता उन्हें और अधिक महत्वपूर्ण बनाती है। इसके अलावा उन्होंने भारत के खिलाफ 23 मैचों में 65 से अधिक के औसत से 2` से अधिक रन बटोरे हैं। दिल्ली में पहले टेस्ट में 118 रन बनाने के अलावा वह सीरीज में दो बार 47-47 रन की पारी भी खेल चुके हैं।

पेट में गड़बड़ी के कारण दूसरे टेस्ट से बाहर रहे रवि रामपॉल पूरी तरह उबर गए हैं और चयन के लिए उपलब्ध रहेंगे। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों को भारतीय बल्लेबाजी क्रम को समेटने में परेशानी का सामना करना पड़ा है लेकिन पिच क्यूरेटर सुधीर नाइक ने जीवंत पिच का वादा किया है जिससे मेहमान टीम के गेंदबाजों ने थोड़ी राहत की सांस ली होगी।

दूसरी तरफ मेजबान टीम काफी अच्छी स्थिति में दिख रही है लेकिन टीम को आत्ममुग्धता से बचना होगा। दिल्ली के पहले मैच में पहली पारी में बढ़त गंवाने के बाद कोलकाता में टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने जानदार प्रदर्शन किया। दिल्ली में पहले टेस्ट की दोनों पारियों में अर्धशतक जड़ने वाले सहवाग ने गौतम गंभीर के साथ मिलकर टीम को तेज शुरूआत दिलाई है जिससे राहुल द्रविड़, तेंदुलकर, वीवीएस लक्ष्मण और महेंद्र सिंह धौनी को बिना किसी दबाव के खेलने में मदद मिली।

पंटर की बल्लेबाजी ने दिखाई कंगारुओं को उम्मीदें

जोहांसबर्ग। पिछली तेरह पारियों में केवल 184 रन बनाने वाले पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने रविवार को नाबाद अर्धशतक जड़कर आस्ट्रेलिया की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में उम्मीदें बनाए रखीं। आस्ट्रेलिया ने 31 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए 19 रन पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाज गंवा दिए थे लेकिन इसके बाद युवा उस्मान ख्वाजा (65) और इस सीरीज में पहली बार दोहरे अंक में पहुंचे पोंटिंग (नाबाद 54) ने तीसरे विकेट के लिए 122 रन की साझेदारी करके चौथे दिन तक टीम का स्कोर तीन विकेट पर 142 रन पर पहुंचाया। खराब रोशनी के कारण चौथे दिन भी समय से पहले खेल समाप्त करना पड़ा। आस्ट्रेलिया को मैच जीतकर सीरीज बराबर करने के लिए अभी 168 रन की दरकार है। उसने अंतिम क्षणों में ख्वाजा का विकेट गंवाया जिन्होंने अपनी तरह की पाकिस्तानी मूल के इमरान ताहिर की गुगली पर स्लिप में जैक्स कालिस को कैच थमाया। इसके कुछ देर बाद ही खराब रोशनी के कारण खेल समाप्त कर दिया गया। तब पोंटिंग के साथ कप्तान माइकल क्लार्क एक रन पर खेल रहे थे। इससे पहले अपना पहला मैच खेल रहे तेज गेंदबाज पैट कमिन्स ने दक्षिण अफ्रीका को 339 रन पर आउट करने में अहम भूमिका निभाई। अठारह वर्षीय कमिन्स ने 77 रन देकर छह विकेट लिए। वह अपने पहले मैच में ही पांच या इससे अधिक विकेट लेने वाले सबसे युवा गेंदबाज बन गए हैं। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से हाशिम अमला ने 15 और एबी डिविलियर्स ने 73 रन बनाए। फिलैंडर ने हालांकि आस्ट्रेलियाई पारी की दूसरी गेंद पर ही शेन वाटसन को बोल्ड कर दिया।

वाटसन ने अंदर आती गेंद को विकेटकीपर के लिए छोड़ना चाहा लेकिन वह उनका आफ स्टंप उखाड़ गई। इसके बाद फिलैंडर ने फिल ह्यूज (11) को दूसरी स्लिप में जैक्स कालिस के हाथों कैच कराया जिससे आस्ट्रेलिया का स्कोर दो विकेट पर 19 रन हो गया। इससे पहले कमिन्स ने बेहतरीन गेंदबाजी का नमूना पेश किया। जैक रुडोल्फ और कालिस को आउट करने वाले कमिन्स ने चौथे दिन डिविलियर्स को आउट करके अमला के साथ उनकी चौथे विकेट के लिए 147 रन की साझेदारी तोड़ी। दक्षिण अफ्रीका ने सुबह 37 रन के अंदर चार विकेट गंवाए। इनमें अमला का विकेट भी शामिल है जिन्हें मिशेल जानसन ने विकेटकीपर ब्रैड हैडिन के हाथों कैच कराया। इसके बाद डेल स्टेन (41) और फिलैंडर के बीच आठवें विकेट के लिए 48 रन की साझेदारी से वह अच्छी बढ़त हासिल कर पाया। यहां पर फिर से कमिन्स ने बाउंसर पर फिलैंडर को हैडिन के हाथों कैच कराया तथा अगली गेंद यार्कर करके मोर्न मोर्कल को बोल्ड किया। स्टेन ने पीटर सिडल और कमिन्स की गेंद पर छक्के जमाए। आखिर में कमिन्स ने ही उन्हें विकेट के पीछे कैच कराया। तब वह हालांकि दक्षिण अफ्रीका की बढ़त 3` रन के पार ले जा चुके थे।

विदेशी टीमें अब भी हिचक रही पाक दौरे से

कराची। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के पूर्व अध्यक्ष एहसान मनि ने बताया कि विदेशी टीमें पाकिस्तान की सुरक्षा स्थिति के कारण अब भी देश का दौरा करने में हिचक रही हैं और यहां दोबारा अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट शुरू करने में और समय लगेगा। मनि ने कहा कि वह आईसीसी और अन्य बोर्डों से रिश्ते सुधारने और पाकिस्तान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट दोबारा शुरू करने के पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के नए अध्यक्ष जाका अशरफ के किसी भी प्रयास का समर्थन करेंगे लेकिन उन्हें नहीं लगता कि यह सब कुछ काफी जल्दी होने वाला है। आईसीसी के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कितथ्य यह है कि पाकिस्तान में सुरक्षा स्थिति को लेकर अब भी टीमों के मुद्दे हैं और वे देश का दौरा करने को तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा किमैं हाल में एक आस्ट्रेलियाई राजनयिक से मिला और उसने यही बात कही कि आस्ट्रेलियाई अब भी पाकिस्तान में आकर खेलने के मूड में नहीं हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि अब भी देश में सुरक्षा की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है।

ओलंपिक स्वर्ण जीतने पर मिलेंगे दो करोड़ रुपये

नई दिल्ली। ओलंपिक क्वालीफायर से पहले विश्व सीरीज हाकी के आयोजन को लेकर आलोचना झेल रहे निम्बस स्पोर्ट्स और भारतीय हाकी महासंघ ने 212 लंदन ओलंपिक के लिए स्ट्राइव फोर गोल्ड मुहिम की घोषणा की है जिसके तहत ओलंपिक पदक जीतने पर भारतीय टीम में शामिल सीरीज के खिलाड़ियों को दो करोड़ रुपये नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

भारतीय टीम को 15 से 26 फरवरी तक दिल्ली में ओलंपिक क्वालीफायर खेलने हैं जबकि विश्व सीरीज हाकी 17 दिसंबर से 22 जनवरी तक खेली जानी है। आयोजकों ने घोषणा की है कि ओलंपिक क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने वाले सीरीज के सभी खिलाड़ियों को पांच-पांच लाख रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा यदि टीम ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर लेती है तो इन खिलाड़ियों को पांच लाख रुपये अतिरिक्त दिए जाएंगे। भारतीय टीम यदि लंदन ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतती है तो उसमें शामिल सीरीज के खिलाड़ियों में दो करोड़ रुपये पुरस्कार बराबर बांटा जाएगा। रजत पदक जीतने पर एक करोड़ और कांस्य जीतने पर 5 लाख रुपये दिए जाएंगे।

निम्बस स्पोर्ट्स के सीओओ यानिक कोलासो ने कहा कि हमारा लक्ष्य हाकी खिलाड़ियों की स्थिति में सुधार करके उच्चतम स्तर पर बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है। इसी वजह से हमने स्ट्राइव फोर गोल्ड कार्यक्रम की घोषणा की है। भारतीय हाकी महासंघ के अध्यक्ष आरके शेट्टी ने कहा कि लीग के जरिए भारतीय खिलाड़ी ओलंपिक जैसे आयोजनों के लिए बेहतर तैयारी कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि ओलंपिक खेलों में सफलता राष्ट्रीय गौरव का विषय है। विश्व सीरीज हाकी के जरिए खिलाड़ी इसकी बेहतर तैयारी कर सकेंगे। इससे पहले हाकी इंडिया ने अपने सभी खिलाड़ियों को सीरीज से दूर रहने के लिए कहा है। भारतीय हाकी टीम के मुख्य कोच माइकल नोब्स पहले ही कह चुके हैं कि ओलंपिक क्वालीफायर की तैयारी के लिए शिविर को छोड़कर लीग में भाग लेने वाले खिलाड़ियों के लिए उनकी टीम में कोई जगह नहीं होगी।

जकार्ता साउथईस्ट एशियायी खेलों की महिला 5 किमी स्क्रैच रेस में प्रतिभागी शिरकत करते हुए।

राष्ट्रीय तैराकी में कर्नाटक ने दिखाया जलवा

रांची। 65वीं राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता में कर्नाटक अरुण अग्नेल डिसूजा के सात और रेहान पोंचा के पांच स्वर्ण पदकों के साथ पहले स्थान पर रहा। दोनों के बेहतरीन प्रदर्शन के कारण प्रतियोगिता में कर्नाटक को कुल 23 स्वर्ण पदक मिले हैं। रांची के मेगा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स स्थित वीर बुधु भगत तरण ताल में अपना स्वर्णिम अभियान जारी रखते हुए कर्नाटक के अरुण अग्नेल डिसूजा ने रविवार को दो और स्वर्ण पदक अपने नाम किए। डिसूजा ने सबसे पहले सौ मीटर फ्रीस्टाइल में 51:15 सेकेंड का नया राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

इसके बाद उन्होंने 2` मीटर बटरफ्लाई में भी 3`2:22 मिनट का समय निकाल कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इस प्रतियोगिता में कड़े मुकाबले में उन्होंने अपने ही प्रदेश के रेहान पोंचा को मामूली अंतर से पछाड़ा। पोंचा ने `2`4:38 मिनट में यह तैराकी पूरी कर रजत पदक जीता। इस प्रकार 65वीं राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता में डिसूजा ने कुल सात स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम कर इस प्रतियोगिता का सर्वाधिक पदक विजेता होने का गौरव प्राप्त किया। कर्नाटक के रेहान पोंचा और सौरभ सांगवेकर ने भी पांच-पांच स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इनमें से सौरभ ने तीन स्वर्ण व्यक्तिगत स्पर्धाओं में और दो टीम स्पर्धाओं में जीते। रेहान रविवार को डिसूजा से दो सौ मीटर बटरफ्लाई तैराकी में दो सेकेंड से पिछड़ कर अपने छह स्वर्ण पदक जीतने का सपना पूरा नहीं कर सके। उन्होंने पांच स्वर्ण पदकों के साथ एक रजत पदक भी अपने नाम किया।

इस बीच महिलाओं के वर्ग में कर्नाटक की पूजा अल्वा ने भी अपनी टीम के लिए तीन स्वर्ण पदक जीते। दूसरी ओर जहां पुलिस के लिए रिचा मिश्रा ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में अकेले दम पर पांच स्वर्ण पदक जीते वहीं रेलवे के लिए संदीप सेजवाल ने कुल चार स्वर्ण पदक जीते।